राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 218 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,31 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

देश में एक और कोरोना वैक्सीन जल्द, नए स्ट्रेन के खिलाफ होगा असरदार

पुणे, (एजेंसी)। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने शनिवार को कहा कि उनकी कंपनी ने भारत में नोवावैक्स इंक के साथ साझेदारी में एक और कोरोना वैक्सीन के ट्रायल को शुरू करने के लिए आवेदन किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जून 2021 तक कंपनी कोरोना वायरस के लिए एक और वैक्सीन कोवोवैक्स लॉन्च कर सकती है। दरअसल दवा कंपनी नोवावैक्स इंक ने एक दिन पहले ही कहा था कि कोरोना का उसका टीका ब्रिटेन में चल रहे एक स्टडी के शुरूआती निष्कर्षों के आधार पर वायरस के नए स्ट्रेन के खिलाफ 89 प्रतिशत प्रभावी पाया गया है। कंपनी ने यह भी दावा किया कि उसका टीका ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में फैल रहे वायरस के नए स्ट्रेन के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के मामले में भी कारगर पाया जा रहा है।

पूनावाला ने शनिवार को ट्विटर पर कहा कि नोवावैक्स के साथ कोविड-19 टीके के लिए हमारी साझेदारी ने बहुत ही प्रभावी नतीजे दिए हैं। हमने भारत में परीक्षण शुरू करने के लिए आवेदन किया है। जून 2021 तक कोवोवैक्स का उत्पादन शुरू करने की उम्मीद है।

सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा

'एक फोन कॉल की दूरी पर हैं कृषिमंत्री'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के 66वें दिन शनिवार को समाधान की उम्मीद जगी है। संसद में बजट सत्र को लेकर हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी पार्टी के नेताओं से कहा कि किसान और सरकार के बीच बातचीत का रास्ता हमेशा खुला है। किसानों और मेरे बीच बस एक कॉल की दूरी है। उधर, भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने भी कहा कि हम प्रधानमंत्री के प्रस्ताव का स्वागत करते हैं। सरकार और किसानों के इस रूख से किसान आंदोलन के समाधान की उम्मीद जगी है। वहीं सिंघु, गाजीपुर और टिकरी बॉर्डर पर किसानों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। रविवार को मुज्जफरनगर में महापंचायत होगी। उसमें आंदोलन की रूपरेखा पर विचार किया जाएगा। संभवतः रविवार को ही किसान दिल्ली का रूख करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष को भरोसा दिलाया कि सरकार किसानों से बातचीत को तैयार है। उन्होंने कहा कि कहा कि मैं नरेंद्र सिंह तोमर की बात दोहराना चाहूंगा। भले ही सरकार और किसान आम सहमति पर नहीं पहुंचे हैं लेकिन हम किसानों के सामने विकल्प रख रहे हैं। वो इस पर चर्चा करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की ओर से किसानों से कही गई बातों को दोहराना चाहता हूं। उन्होंने कहा था कि हम सहमति (नए कृषि कानूनों पर) तक नहीं पहुंचे हैं, लेकिन हम आपको प्रस्ताव दे रहे हैं। मैं आपसे सिर्फ एक फोन कॉल दूर हैं। जब भी आप फोन करेंगे, मैं बातचीत के लिए तैयार हूं। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार किसानों के मुद्दे सुलझाने के लिए लगातार कोशिश कर रही है।

यूपी और हरियाणा से किसान लगातार गाजीपुर पहुंच रहे हैं। उधर, किसान नेताओं ने शनिवार को एक दिन का उपवास रखकर सद्भावना दिवस मनाया। इसके जरिए वे 26 जनवरी को दिल्ली में ट्रैक्टर रैली में हुई हिंसा का प्रायश्चित करना चाहते हैं।

भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत को राजनीतिक दल खुलकर समर्थन देने लगे हैं। शनिवार को यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, दिल्ली कांग्रेस नेता अलका लांबा और हरियाणा से कांग्रेस सांसद दीपेंदर सिंह हुड्डा गाजीपुर पहुंचे। इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रीय लोक दल के नेता जयंत चौधरी और दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया गाजीपुर पहुंचे थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी टिकैत से कहा कि उनकी पार्टी किसानों के साथ है।

किसान आंदोलन के सबसे बड़े पॉइंट सिंघु बॉर्डर पर शुक्रवार को स्थानीय लोगों और किसानों के बीच हिंसा हो गई। इसमें 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक उपद्रवी ने एसएचओ पर तलवार से हमला कर दिया था। इस मामले में अब तक 44 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं सिंघु और टीकरी बॉर्डर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

आंदोलन को मजबूत करने के लिए पंजाब के किसान अब दूसरे राज्यों के किसानों को भी साथ लाएंगे। इसके लिए पटियाला से 700, मोगा से 450, गुरदासपुर से 50 और होशियारपुर के टांडा से 70 किसान दिल्ली के लिए रवाना हो गए। 41 किसान संगठनों की 72 टीमें हर घर से एक सदस्य को भेजेंगी। ये टीमें दूसरे राज्यों के किसानों को प्रदर्शन में लाएंगी।

पिछले 4 दिन में 2 बार हुई हिंसा के बाद सरकार और पुलिस की तरफ से लगातार एक्शन हो रहा है। केंद्र सरकार ने किसान आंदोलन के तीनों अहम पॉइंट सिंघु, टीकरी और गाजीपुर बॉर्डर पर इंटरनेट सर्विस 31 जनवरी की रात 11 बजे तक बंद कर दी है। वहीं 26 जनवरी को हुई हिंसा के सबूत जुटाने के लिए दिल्ली क्राइम ब्रांच और फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम शनिवार को लाल किले पहुंची। उधर, दिल्ली पुलिस की टीम ने शनिवार को जालंधर में छापा मारा। यह कार्रवाई भी लाल किले में हुए उपद्रव के मामले में की गई। इसके बारे में जालंधर पुलिस ने बताया कि लाल किले की घटना में शामिल तरन तारन के दो युवकों के यहां छिपे होने की सूचना थी। इसलिए, दिल्ली पुलिस ने यहां के एक इलाके में छापा मारा, लेकिन आरोपी नहीं मिले।

26 जनवरी को किसानों की ट्रैक्टर रैली में हुए उपद्रव में करीब 400 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इसके विरोध में दिल्ली पुलिस महासंघ और घायल जवानों के परिवारों के लोग शहीदी पार्क में प्रदर्शन किया। हिंसा में घायल हेड कॉन्स्टेबल अशोक कुमार ने बताया, मैं लाल किले के गेट पर तैनात था। हम भीड़ को बाहर निकाल रहे थे, इसी दौरान उपद्रवियों ने अचानक हमला कर दिया। उनके हाथों में लाठियां और तलवारें थीं। मुझे सिर और पैरों में चोटें आईं हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना वैक्सीनेशन के मामले में भारत ने कई दिग्गज देशों को पछाड़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने कोरोना की वैक्सीन लगाने की दौड़ में कई बड़े देशों को पछाड़ दिया है। महज 13 दिनों में देश भर में अब तक 30 लाख लोगों को वैक्सीन लग चुकी है। जबकि अमेरिका में 30 लाख लोगों को वैक्सीन लगाने में 18 दिनों का वक्त लगा था। इजरायल को इन आंकड़ों तक पहुंचने में 33 दिन का समय लगा था। इसके अलावा ब्रिटेन को 30 लाख लोगों को वैक्सीन लगाने में 36 दिनों का लंबा वक्त लगा।

आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मिलकर लड़ा जाएगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के लुटियंस इलाके में इजरायली दूतावास के बाहर शुक्रवार की शाम को मामूली आईईडी विस्फोट हुआ है। जानकारी के मुताबिक यह धमाका दहशत फैलाने के इरादे से किया गया था। भारत में इजरायल के राजदूत डॉ. रॉन मलका ने घटना के बाद कहा कि सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। यह आतंकी हमला इजराइली दूतावास पर किया गया था।

खेती को लाभकारी बनाने के लिए केंद्र प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के अभिभाषण में उल्लेखित कृषि और ग्रामीण विकास की प्रगति को लेकर प्रसन्नता जताई है। तोमर ने कहा कि कृषि व ग्रामीण क्षेत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदृष्टि के अनुरूप सकारात्मक बदलाव की बयार है। खेती को लाभकारी बनाने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है।

शाह से मिलने टीएमसी के तीन विधायक दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को लगातार झटके लग रहे हैं। उसके विधायक साथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को टीएमसी के तीन विधायक शाह से मुलाकात के लिए दिल्ली पहुंचे। बता दें कि इजराइली दूतावास के पास धमाके के बाद शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल का दौरा रद्द कर दिया है। यही कारण है कि टीएमसी के विधायक उनसे मिलने दिल्ली पहुंचे हैं। इन विधायकों के भाजपा में शामिल होने की पूरी संभावना है।

ममता सरकार के पूर्व मंत्री राजीब बनर्जी के अलावा बैशाली डालमिया, प्रबीर घोषाल व रातिन चक्रवर्ती शनिवार शाम नई दिल्ली पहुंचे। वह बंगाल में भाजपा के नेता मुकुल रॉय और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के साथ दिल्ली आए हैं। बनर्जी ने हाल ही में टीएमसी का दामन छोड़ा था। वहीं, विधायक घोषाल और बैशाली को टीएमसी से निष्कासित कर दिया गया था। बनर्जी ने इस बात की पुष्टि की थी कि उन्हें शाह ने दिल्ली बुलाया है। साथ ही भाजपा का दामन थामने के संकेत भी दिए थे। शाह ने बनर्जी को लड़ाका करार दिया था।

हरियाणा में स्पीकर की बड़ी कार्रवाई

कालका, (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा स्पीकर ने बड़ा फैसला लेते हुए कालका से कांग्रेस विधायक प्रदीप चौधरी की विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी है। उन्होंने यह फैसला इसलिए लिया, क्योंकि प्रदीप चौधरी को हिमाचल प्रदेश के बद्दी की निचली अदालत ने एक मामले में सजा सुनाई है। प्रदीप को तीन साल की सजा और 85 हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया है।

स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता ने शनिवार को चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधायक प्रदीप चौधरी को अयोग्य घोषित कर दिया गया है। इसकी जानकारी भारतीय चुनाव आयोग को भी भेज दी गई है। बता दें कि नियमानुसार दो साल से अधिक सजा होने पर दोषी सदस्य की संसद और विधानसभा सदस्यता खत्म करने का प्रावधान है। अब प्रदीप चौधरी एक महीने के अंदर सेशन कोर्ट में अपील कर सकते हैं।

नालागढ़ की निचली अदालत ने साल 2011 के मामले में प्रदीप चौधरी को दोषी करार दिया है। मामला एक युवक की मौत के बाद बद्दी चौक पर जाम लगाने और सरकारी काम में बाधा उतपन्न करने से जुड़ा है। नालागढ़ की पी जितेंदर कुमार की अदालत ने दोषियों को तीन-तीन साल की सजा और 85-85 हजार रुपये जुमार्ना लगाया है। सहायक जिला न्यायवादी गौरव अग्रिहोत्री ने बताया कि 31 मई 2011 को थाना बरोटीवाना में ट्रैफिक चैकिंग के दौरान सुना सिंह निवासी पप्सोहा पुलिस को देखकर बचने के दौरान बिजली ट्रांसफार्मर की तारों की चपेट में आ गया था।

युवक की इलाज के दौरान पीजीआई चंडीगढ़ में मौत हो गई थी। मौत के बाद परिजनों और अन्य लोगों ने बद्दी रेडलाइट चौक पर शव रखकर प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस पर हमला भी किया गया था। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। बद्दी पुलिस थाने की सरकारी गाड़ी भी फूंक दी गई थी। इसी मामले में कालका से कांग्रेस विधायक प्रदीप चौधरी के अलावा पंचकूला जिले के 14 दोषियों को सजा सुनाई गई है। 13 जून 2011 को बद्दी थाने में केस दर्ज हुआ था।

पूर्ण विश्वास है भारत सुरक्षा सुनिश्चित करेगा : नेतन्याहू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में इजरायली दूतावास के नजदीक शाम हुए एक ब्लास्ट पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का बयान सामने आया है। दूतावास के नजदीक हुए धमाके के बाद बेंजामिन नेतन्याहू ने पूर्ण विश्वास जताया कि भारत में रह रहे इजराइल के सभी लोगों और यहूदियों की भारत के अधिकारी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। बता दें कि करीब 5 बजकर पांच मिनट पर इजराइली दूतावास के नजदीक कम तीव्रता वाला आईईडी विस्फोट हुआ था। अधिकारियों ने यहां बताया कि भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एनएसए अजित डोभाल ने अपने इजराइली समकक्ष मीर बेन शब्बात से बात की और इजराइली दूतावास के नजदीक बम विस्फोट के बाद की स्थिति और चल रही जांच से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू को नवीनतम स्थिति से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि नेतन्याहू ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अवगत करा दिया जाए कि इजराइल को पूर्ण विश्वास है कि भारतीय अधिकारी घटना की गहन जांच करेंगे और वहां रह रहे इजराइलियों और यहूदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष सभी चैनलों के माध्यम से पूर्ण सहयोग पर सहमत हुए।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी अपने इजराइली समकक्ष गाबी अशकेनजी से बात की और उन्हें राजनयिकों एवं दूतावास को पूरी सुरक्षा देने का विश्वास दिलाया। जयशंकर ने एक ट्वीट में कहा कि भारत ने घटना को काफी गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, इजराइली दूतावास के बाहर विस्फोट के बारे में अभी अभी इजराइल के विदेश मंत्री गाबी अशकेनजी से बात की। हम इसे काफी गंभीरता से ले रहे हैं।

उन्हें दूतावास और इजराइली राजनयिकों को पूरी सुरक्षा देने के लिए आश्वस्त किया। मंत्री ने कहा कि मामले की जांच चल रही है। उन्होंने कहा, दोषियों का पता लगाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ा जाएगा। इससे पहले इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि नयी दिल्ली में दूतावास के बाहर विस्फोट के बाद इसके सभी राजनयिक और दूतावास के कर्मचारी सुरक्षित एवं सकुशल हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, नई दिल्ली में इजराइली दूतावास के बाहर कुछ देर पहले एक विस्फोट हुआ। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और भवन को कोई नुकसान नहीं हुआ है। इजराइल के सभी राजनयिक और दूतावास के कर्मचारी सुरक्षित और सकुशल हैं।

भारत-अमेरिकी संबंधों में बाइडेन प्रशासन के दौरान भी रहेगी गर्माहट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सत्ता में आने के नौवें दिन अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी रे ब्लिनकेन ने भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों से बातकर दोनों देशों के साथ अपने रिश्तों की टोन भी सेट कर दी है। ब्लिनकेन की भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह मेहमद कुरैशी के साथ पहली टेलीफोन वार्ता के बाद जो बयान जारी किया गया है उसमें दक्षिण एशिया को लेकर अमेरिका की भावी नीति की झलक है। मोटे तौर पर इसका मतलब यह है कि जो बाइडन प्रशासन के लिए भारत के साथ रिश्तों के केंद्र में हिंद प्रशांत क्षेत्र रहेगा, जबकि पाकिस्तान के साथ उसका जोर आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर रहेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट की तरफ से पत्रकार डेनियल पर्ल के हत्यारे ऊमर शेख को रिहा करने पर कड़ा ऐतराज जताया है, इस पाकिस्तान के लिए एक चेतावनी माना जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, ब्लिनकेन और जयशंकर वार्ता के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान ने हिंद-पैसिफिक क्षेत्र को लेकर ट्रंप प्रशासन के दौरान जारी सहयोग नीति पर उठ रहे सवालों का भी जवाब दे दिया है। नवंबर, 2020 में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद बाइडन ने एक बार इंडो पैसिफिक की जगह एशिया-पैसिफिक शब्द का इस्तेमाल किया था। तब कई अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने माना था कि बाइडन चीन के साथ रिश्तों को सुधारने के लिए अब एशिया पैसिफिक का ही इस्तेमाल कर सकते है। चीन को इंडो पैसिफिक (हिंद प्रशांत) से आपत्ति है, क्योंकि वह इसे इस समूचे क्षेत्र में भारत को ज्यादा महत्व देने के तौर पर देखता है। लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उक्त बयान ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी ऐसी कोई मंशा नहीं है।

पिछले तीन दिनों में भारत और अमेरिका के रक्षा मंत्रियों, आर्थिक सुरक्षा सलाहकारों और विदेश मंत्रियों के बीच टेलीफोन वार्ता हुई है। इन तीनों में हिंद प्रशांत क्षेत्र की चर्चा भी हुई है और अमेरिकी विज्ञप्तियों में इसका जिक्र भी किया गया है। ब्लिनकेन ने कहा है कि, भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ हिंद प्रशांत क्षेत्र और इससे बाहर की चुनौतियों पर बात हुई है। इससे राष्ट्रपति जो बाइडन और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच भी होने वाली टेलीफोन वार्ता की जमीन तैयार हुई है। माना जा रहा है कि एक-दो दिनों के भीतर इन दोनों नेताओं के बीच भी टेलीफोन पर बात होगी। यही नहीं बाइडन प्रशासन ने क्वाड व्यवस्था (जापान-आस्ट्रेलिया-अमेरिका-भारत का संगठन) का भी जिक्र कर स्पष्ट कर दिया है कि इस भी आगे बढ़ाने की नीति जारी रहेगी। अमेरिका की नई सरकार ने पाकिस्तान के साथ जो रूख दिखाया है वह भी भारतीय विदेश मंत्रालय के नीति निर्धारकों के लिए राहत की बात है।

सिंघू, टीकरी, गाजीपुर बॉर्डर और आसपास के इलाकों में इंटरनेट सेवा बंद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राजधानी दिल्ली में सिंघु, गाजीपुर, टीकरी बॉर्डर और उनके आसपास के इलाकों में इंटरनेट सेवाओं को अस्थाई रूप से बंद कर दिया है। यहां 29 जनवरी को रात 11 बजे से 31 जनवरी को रात 11 बजे तक के लिए इंटरनेट सेवा पर रोक लगाई गई है। सरकार ने सभी निजी और सरकारी टेलिकॉम कम्पनियों से इन आदेश का पालन करने को कहा है। सरकार ने यह आदेश किसान आंदोलन के मद्देनजर क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जारी किया है।

किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि हम जहां बैठे हैं, वहां पर सरकार ने इंटरनेट बंद कर दिया है। हरियाणा में भी इंटरनेट बंद कर दिया गया है। कई बार पानी, बिजली बंद कर देते हैं। मैं दिल्ली में लोगों से शांतिपूर्ण विरोध में शामिल होने की अपील करता हूं, लेकिन भावनाओं के प्रवाह में भी कुछ न करें। अगर कोई आपको उकसाने की कोशिश करता है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि हम युद्ध में नहीं जा रहे हैं। यह हमारा देश और हमारी सरकार है।

उल्लेखनीय है कि राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान हुई हिंसा के बाद धीमा पड़ा किसानों का आंदोलन शुक्रवार से एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है और धरना स्थलों पर भीड़ बढ़ने का सिललिसा लगातार जारी है। इससे पहले हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर की अगुवाई वाली भाजपा सरकार ने शुक्रवार शाम राज्य के सभी 22 में से 17 जिलों में तुरंत प्रभाव से इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगा दी थी। हालांकि 5 जिलों में इंटरनेट अब भी चल रहा है। सोनीपत, पलवल व झज्जर में पहले ही इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगी हुई थी।

कार्टून

बच्चों को विदेशी आतंकी लड़ाके कहना उन्हें कलंकित करने जैसा : भारत

जेनेवा, (एजेंसी)। भारत ने सशस्त्र संघर्षों से प्रभावित किशोरवय बच्चों को लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ में कहा है कि बच्चों के लिए विदेशी आतंकवादी लड़ाके शब्द का इस्तेमाल करने से उन्हें कलंकित करने तथा उनके प्रति अमानवीयता बरतने जैसी परिस्थितियां बन सकती हैं। भारत ने ऐसे बच्चों को उनके देश भेजने, उनके पुनर्वास तथा उनके परिवारों से उन्हें पुनः मिलाने जैसे पहले से तैयार एवं संघर्षों के लिहाज से संवेदनशील तरीकों को अपनाने पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी उप प्रतिनिधि राजदूत के नागराज नायडू ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बच्चे एवं सशस्त्र संघर्ष विषय पर ओपन एरिया फॉमूर्ला बैठक में कहा कि परिषद का संकल्प 2178 (2014) विदेशी आतंकवादी लड़ाके (एफटीएफ) शब्द को परिभाषित करता है। नायडू ने कहा, उनके परिवारों के लिए इस शब्द का इस्तेमाल करने का आम चलन है।

हालांकि एफटीएफ शब्द का इस्तेमाल बच्चों के लिए करना उन्हें कलंकित करने तथा उनके प्रति अमानवीय रूख अपनाने के लिए प्रेरित करना होगा। उन्होंने कहा कि एफटीएफ धारणा से प्रभावित बच्चों के साथ व्यवहार सम्मान, संरक्षण तथा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के तहत परिभाषित उनके अधिकारों की पूर्ति पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने बैठक में कहा कि भारत मानता है कि विदेशी आतंकवादी लड़ाकों के बच्चों के अभियोजन, वापसी और पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए सदस्य देशों द्वारा अनुकूल, संघर्षों के संदर्भ में संवेदनशील प्रयासों की तत्काल जरूरत है। नायडू ने कहा कि एफटीएफ पर अभियोजन में संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों से स्थानीय कानूनों तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सदस्य देशों की प्रतिबद्धताओं के अनुरूप साक्ष्य एकत्रित करने, उन्हें सुरक्षित रखने और संबंधित जानकारी साझा करने की चुनौती है। उन्होंने कहा, कई बच्चों का कानूनी दस्तावेजीकरण नहीं होने से स्थिति और जटिल हो गई है। ऐसा भी हो सकता है कि किसी सदस्य देश की कट्टरता को समाप्त करने या पुनः एकीकरण की कोई नीति ही नहीं हो। नायडू ने कहा कि कुछ सदस्य देशों ने विदेशी आतंकवादियों के बच्चों का पुनर्वास शुरू कर दिया है लेकिन रफ्तार धीमी है। उन्होंने कहा, इसलिए यह स्पष्ट है कि परिस्थितियों के आधार पर तय होगा कि एफटीएफ के बच्चों को वापस ले जाया जा सकता है या नहीं।

श्रीलंका में टीकाकरण शुरू हो गया है। सबसे पहले सेना के जवानों को वैक्सीन दी जा रही है। आने वाले दिनों में 2,50000 हेल्थ वर्करों को वैक्सीन लगाई जाएगी।

कैलिफोर्निया में महात्मा गांधी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया

कैलिफोर्निया, (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के डेविस शहर के सेंट्रल पार्क में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के क्षतिग्रस्त होने की खबर है। मूर्ति के साथ अज्ञात लोगों ने तोड़फोड़ की। यह घटना 28 जनवरी को घटी। बता दें, यह मूर्ति साल 2016 में भारत सरकार ने डेविस शहर को उपहार में दी थी। भारत सरकार ने शहर में घटी इस घटना की निंदा की है। वाशिंगटन डीसी में भारत के दूतावास ने इस मामले को लेकर गहन जांच की मांग की है। साथ ही इस घृणित कार्य के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की भी मांग की है। सैन फ्रांसिस्को में भी भारत के महावाणिज्य दूतावास ने अलग से डेविस शहर और स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों के समक्ष मामला उठाया है, जिस पर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, डेविस के मेयर ने इस घटना पर गहरा अफसोस जताया और बताया कि उन्होंने जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा की ऐसा घृणित काम करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही, अमेरिकी विदेश विभाग ने संदेश दिया है कि बर्बरता का यह कृत्य अस्वीकार्य है और अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सजा दी जाएगी।

तुर्की में रेल मार्ग के जरिए विदेशों में व्यापार शुरू कर दिया है इसी क्रम में पहली मालवाहक ट्रेन को रवाना किया गया जो रुस जाएगी।

नेपाल सरकार ने भारत व चीन से जुड़े 30 बॉर्डर को खोला

रक्सौल, (एजेंसी)। नेपाल सरकार ने भारत व चीन की सीमा से जुड़े अपने 30 बॉर्डरों को सशर्त खोल दिया है। इसमें वीरगंज के अलावा उत्तर बिहार से लगे एक दर्जन से अधिक बॉर्डर शामिल है। कोरोना लॉकडाउन के साथ पिछले वर्ष 24 मार्च से बॉर्डर बंद था। शुक्रवार को नेपाल के गृह मंत्रालय ने आदेश जारी कर बॉर्डर खोलने की घोषणा की। इस आदेश के बाद नेपाली नागरिकों को निर्बाध आवाजाही की अनुमति दी गई है। जबकि भारत के नागरिकों के लिए कुछ शर्त का पालन जरूरी है।

विदित हो कि भारत ने 22 अक्टूबर को ही नेपाल से लगी अपनी सीमा को खोल दी थी। इसके बाद से ही विभिन्न नेपाली संघ व संस्थाएं भारत से लगी सीमा खोलने के लिए आंदोलन चला रहे थे।

नेपाल सरकार के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता चक्रबहादुर बुढा के अनुसार भारतीय नागरिकों को नेपाल आने के लिए गृह मंत्रालय की स्वीकृति अनिवार्य है। साथ ही उन्हें यह भी बताना होगा कि वे क्यों आना चाहते हैं। इसके लिए उन्हें प्रायोजन के साथ निवेदन पंजीकृत करना होगा। अनुमति मिलने पर ही नेपाल में प्रवेश मिलेगा। हालांकि तीसरे देश के नागरिकों को स्थल मार्ग से अनुमति नहीं दी गई है। उन्हें फ्लाइट से ही आने जाने की अनुमति दी गई है।

भारतीय नागरिकों को नेपाल के गृह मंत्रालय से इजाजत लेनी होगी। यात्रा के लिए कोविड नियंत्रण उच्चस्तरीय समिति से जुड़ी सीसीएम की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसमें यात्रा का कारण, अवधि, उद्देश्य का ब्यौरा देना होगा। अनुमति मिलने के साथ मंत्रालय से उन्हें बार कोड मिलेगा। इसके साथ आवेदक को आरटीपीसीआर की 72 घंटे के अंदर की निगेटिव जांच रिपोर्ट दिखानी होगी, तभी प्रवेश मिलेगा। वाहन के लिए इजाजत मिलने पर यात्रा अवधि की कस्टम ड्यूटी देनी पड़ेगी। बिहार से लगी नेपाल की खजुरगाछी, भंटाबारी, कनौल, जटही, इनरवा, भिट्ठामोड़, मलंगवा, बंकूल, मटिअरवा, सिमरौनगढ़, त्रिवेणी, माड़र, गौर व वीरगंज शामिल हैं।

अमेरिका की जीडीपी में 1946 के बाद सबसे बड़ी गिरावट

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी इकोनॉमी की ग्रोथ 2020 में शून्य से 3.5 पर्सेंट नीचे रही। यह जानकारी अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों से मिली है। 1946 के बाद पहली बार हुआ है जब अमेरिकी इकोनॉमी का साइज इतना ज्यादा घटा है। विश्व युद्ध खत्म होने के बाद वाले उस साल में अमेरिका का जीडीपी ग्रोथ शून्य से 11.6 पर्सेंट नीचे रहा था। इकोनॉमिक ग्रोथ के डेटा गुरुवार को जारी किए गए थे। उसके मुताबिक दिसंबर तिमाही में ग्रोथ रेट 4 पर्सेंट रहा था। इतना ग्रोथ रेट तब रहा, जब कोरोनावायरस का कहर चरम पर था। सितंबर क्वॉर्टर में अमेरिका की इकनॉमी का साइज सालाना आधार पर 33.4 पर्सेंट घटा था। यह जानकारी चीनी संवाद एजेंसी शिन्हुआ ने दी है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक साल की दूसरी छमाही में देश की इकोनॉमी में थोड़ी बहुत रिकवरी हुई। इसके चलते 2020 के पूरे साल में जीडीपी ग्रोथ रेट -3.5 पर्सेंट रहा था, जो पिछले साल 2.2 पर्सेंट रहा था। 2009 के बाद पहली बार अमेरिकी जीडीपी की ग्रोथ नेगेटिव रही है। एक दिन पहले यानी बुधवार को फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पावेल ने कहा था कि हाल के महीनों में रिकवरी सुस्त हुई है। इसकी वजह उन इकोनॉमिक सेक्टर की गतिविधियों में सुस्ती रही है जिन पर कोरोना वायरस और फिजिकल डिस्टेंसिंग की मार सबसे ज्यादा पड़ी है। पिछले साल अमेरिकी संसद ने कोविड-19 से बचाव के लिए 900 अरब डॉलर के पैकेज को मंजूरी दी थी। मंजूरी से पहले इस बात पर खूब रस्साकशी हुई कि पैकेज कितना बड़ा होना चाहिए और इसके दायरे में किसको लाया जाना चाहिए।

पत्रकार पर्ल हत्या केस में अमेरिका की धमकी के बाद पाक ने दोषियों को बरी किये जाने के खिलाफ याचिका दायर की

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। अमेरिका के पत्रकार डेनियल पर्ल के अपहरण एवं उसकी नृशंस हत्या केस में अलकायदा आतंकवादी अहमद उमर सईद शेख और उसके तीन सहयोगियों को बरी किये जाने के मामले में अमेरिका की धमकी के बाद पाकिस्तान पशोपेश में है। पाकिस्तान सरकार ने इस मामले में शुक्रवार को देश के उच्चतम न्यायालय में एक पुनरीक्षण याचिका दायर की है। बता दें कि अमेरिका ने सीधे चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर पाकिस्तान पर्ल की हत्या के आरोपियों को सजा नहीं दे सकता है तो वह कार्रवाई करेगा। अमेरिका ने इस मामले के आरोपियों को बरी करने के पाकिस्तानी उच्चतम न्यायालय के फैसले पर नाराजगी जताई थी, जिसके कुछ ही घंटों बाद यह याचिका दायर की गई है। सिंध के महाभियोजक फियाज शाह ने मीडिया से बात करते हुए इस बात की पुष्टि की है कि फैसले का पुनरीक्षण करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की गई है और न्यायालय से बरी करने के आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया गया है।

सिंध सरकार ने याचिका में न्यायालय से अपने फैसले का पुनरीक्षण करने और आरोपियों की सजा बहाल करने का अनुरोध किया है तथा इसके लिए आदेश में कुछ खास त्रुटियों की ओर इशारा किया गया है। सिंध सरकार ने उच्चतम न्यायालय में यह पुनरीक्षण याचिका दायर की है। गौरतलब है कि सिंध उच्च न्यायालय द्वारा आरोपियों को बरी करने का फैसला सुनाए जाने के बाद की गई अपील को शीर्ष न्यायालय ने गुरुवार को खारिज कर दिया था।

न्यायालय ने इस सनसनीखेज मामले में, ब्रिटेन में जन्मे शेख को रिहा करने का आदेश भी दिया है। वर्ष 2002 में कराची में एख अखबार के दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख पर्ल (38) का उस समय अपहरण कर लिया गया था, जब वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और अलकायदा के बीच संबंधों पर एक खबर के लिए जानकारी जुटा रहे थे। इसके बाद सिर कलम करके उनकी हत्या कर दी गई थी। शेख और उसके तीन सहयोगियों को इस मामले में दोषी ठहराया गया था और सजा सुनाई गई थी। व्हाइट हाउस ने अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल के अपहरण एवं उनकी हत्या के मामले के आरोपियों को बरी करने के पाकिस्तानी उच्चतम न्यायालय के आदेश पर नाराजगी जताई। इसके बाद, पाकिस्तान स्थित अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन का यह बयान साझा किया कि उनका देश पर्ल के लिए न्याय चाहता है।

यहूदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा भारत, नेतन्याहू ने जताया भरोसा

यरूशलम, (एजेंसी)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने विश्वास जताया कि भारत में रह रहे इजराइल के लोगों और यहूदियों की सुरक्षा भारत के अधिकारी सुनिश्चित करेंगे। दिल्ली में शुक्रवार शाम इजराइली दूतावास के बाहर कम तीव्रता वाला आईईडी विस्फोट किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने अपने इजराइली समकक्ष मीर बेन शब्बात से इस मसले पर बात की और इजराइली दूतावास के नजदीक बम विस्फोट के बाद की स्थिति और चल रही जांच से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू को भी घटना से जुड़ी नवीनतम स्थिति से अवगत कराया गया।

अधिकारियों ने बताया कि नेतन्याहू ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अवगत करा दिया जाए कि इजराइल को पूर्ण विश्वास है कि भारतीय अधिकारी घटना की गहन जांच करेंगे और वहां रह रहे इजराइलियों और यहूदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष सभी चैनलों के माध्यम से पूर्ण सहयोग पर सहमत हुए। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अपने इजराइली समकक्ष गाबी अशकेनजी से बात की और उन्हें राजनयिकों एवं दूतावास को पूरी सुरक्षा देने का विश्वास दिलाया।

ब्लिंकन ने पर्ल हत्या मामले में पाकिस्तानी विदेश मंत्री से की फोन पर चर्चा

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी से फोन पर बातचीत की और अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों की जवाबदेही तय किए जाने पर चर्चा की। वर्ष 2002 में कराची में एक समाचार पत्र के दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख पर्ल (38) का उस समय अपहरण कर लिया गया था, जब वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और अलकायदा के बीच संबंधों पर एक खबर के लिए जानकारी जुटा रहे थे। इसके बाद सिर कलम करके उनकी हत्या कर दी गई थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि ब्लिंकन ने पर्ल के हत्यारों को बरी करने के पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय के फैसले को लेकर अमेरिका की चिंता दोहराई।

प्राइस ने टेलीफोन पर हुई इस बातचीत की जानकारी देते हुए कहा कि ब्लिंकन और कुरैशी ने इस बात पर चर्चा की कि अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल के अपहरण और उनकी हत्या के लिए जिम्मेदार आतंकवादी अहमद उमर सईद शेख और अन्य लोगों की जवाबदेही कैसे तय की जा सकती है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा दोनों मंत्रियों ने अफगानिस्तान शांति प्रक्रिया पर अमेरिका और पाकिस्तान के बीच सहयोग कायम रखने एवं क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सहयोग की महत्ता तथा हमारे व्यापारिक एवं वाणिज्यिक संबंधों को विस्तार देने की क्षमता पर चर्चा की। इससे एक दिन पहले, ब्लिंकन ने पर्ल के अपहरण एवं उनकी हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को बरी किए जाने के फैसले पर चिंता जताते हुए कहा था कि यह फैसला आतंकवाद के पीड़ितों का अपमान है।

उन्होंने पाकिस्तान से अपील की थी कि वह पर्ल के हत्यारों को न्याय के दायरे में लाने के लिए सभी कानूनी विकल्पों पर विचार करे। पाकिस्तानी अदालत ने पर्ल के अपहरण और हत्या मामले में शेख को बरी किए जाने के खिलाफ दाखिल अपीलों को खारिज कर दिया था। उच्चतम न्यायालय ने इस सनसनीखेज मामले में शेख को रिहा करने का आदेश भी दिया। पाकिस्तानी अदालत ने पर्ल के अपहरण और हत्या में शामिल होने के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहे तीन अन्य फहाद नसीम, शेख आदिल और सलमान साकिब को भी रिहा करने का आदेश दिया।

फिलीस्तीन और फलीस्तीन के प्रदर्शनकारियों और इजरायल के सैनिकों के बीच संघर्ष जारी है। प्रदर्शनकारियों को काबू में करने का प्रयास करते सैनिक।

शार्क और रे मछलियों का कब्रगाह बना हिंद महासागर

लंदन, (एजेंसी)। एक ताजा शोध में खुलासा हुआ है कि अथाह समुद्र में करोड़ों से साल से जिंदगी बिता रहीं शार्क मछलियों पर विलुप्त होने का खतरा मंडराने लगा है। बहुत ज्यादा मछली पकड़े जाने से शार्क मछलियां हमेशा के लिए खत्म हो सकती हैं। इस शोध में कहा गया है कि पिछले 50 साल में 70 फीसदी शार्क मछलियां खत्म हो गईं।

कनाडा के समोन फ्रासेर यूनिवर्सिटी और ब्रिटेन के यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सटेर के वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पाया कि वर्ष 1970 से अब तक मछली पकड़ने पर दबाव 18 गुना बढ़ गया है। इसकी वजह से बनि किसी संदेह के समुद्र के इको सिस्टम पर प्रभाव पड़ा है और कई जीव बड़े पैमाने पर विलुप्त हो रहे हैं। बड़े पैमाने पर मछली पकड़े जाने से न केवल शार्क मछली बल्कि रे मछलियों के पूरी तरह से विलुप्त होने का खतरा है। वैज्ञानिकों के दल ने कहा कि शार्क और रे को बचाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है। समुद्री मामलों के विशेषज्ञ डॉक्टर रिचर्ड शेर्ले ने कहा क अगर अभी कदम नहीं उठाए गए तो बहुत देर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आशा की बात यह है कि अगर मछली पकड़ने पर वैज्ञानिक तरीके से प्रतिबंध लगाया जाए तो शार्क को बचाया जा सकता है।

वैज्ञानिकों ने पाया कि वर्ष 1970 के बाद से शार्क और रे मछलियों की जनसंख्या में 71 फीसदी की गिरावट आई है। इस दल ने पाया कि शार्क और रे मछलियों की 31 में से 24 प्रजातियां अब संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची में आ गई हैं। यही नहीं समुद्र में पाई जाने वाली ओसेनिक वाइटटिप और ग्रेट हैमरहेड शार्क भी बहुत ज्यादा संकट में आ गई है। शोध में पाया गया है कि उष्णकटिबंधी इलाके जैसे हिंद महासागर में ये जीव ज्यादा तेजी से खत्म हो रहे हैं। हिंद महासागर में वर्ष 1970 के बाद से अब तक 84.7 प्रतिशत शार्क मछलियों की आबादी में गिरावट आई है।

कोविड-19 मरीजों का उपचार करने वाले चीन के पहले अस्पताल पहुंची डब्ल्यूएचओ टीम

वुहान, (एजेंसी)। पूरी दुनिया को कोविड-19 महामारी का घातक वायरस देने के आरोप चीन पर लगे हैं। यह वायरस कहां पैदा हुआ, इसका पता लगाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक टीम चीन में है। 13 सदस्यों की टीम ने जांच के पहले दिन हुबेई प्रांत के एक अस्पताल का दौरा किया जहां सबसे पहले कोविड-19 के मरीजों का इलाज किया गया था। इसके साथ ही वायरस पर काम कर रहे रिसर्चर्स का इंटरव्यू भी किया। चीन के खिलाफ दूसरे देशों के साथ-साथ अपने ही वैज्ञानिक और मेडिकल समुदाय ने सच छिपाने के आरोप लगाए हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि टीम वुहान की वायरॉलजी लैब भी जाएगी जहां से वायरस के लीक होने की आशंका है लेकिन इसकी तारीख या प्रक्रिया के बारे में जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। चीन पहुंचने के बाद टीम को 14 दिन के लिए क्वारंटीन कर दिया गया था। इस दौरान उन्होंने चीनी मेडिकल कर्मियों से वीडियो चैट के जरिए बात की।

डब्ल्यूएचओ का कहना है कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वायरस को लेकर दुनिया के मन में जो सवाल हैं, उनके जवाब मिल ही जाएंगे। वुहान की लैब के अलावा टीम उस सीफूड मार्केट भी जाएंगे जहां से वायरस फैलने की आशंका शुरूआती दौर में जताई गई थी। चीन के खिलाफ अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों ने आरोप लगाया है कि उसने महामारी के फैलने और उसकी गंभीरता से जुड़ी जानकारी दुनिया से छिपाई। चीन का साथ देने और स्थिति की गंभीरता को देरी से समझने के लिए डब्ल्यूएचओ की आलोचना भी की गई है। इंडिपेंडेंट पैनल फॉर पैन्डेमिक प्रिपेयर्डनेस ऐंड रिस्पॉन्स (आईपीपीआर) ने अपनी रिपोर्ट में भी कहा था कि कोरोना वायरस महामारी के सबसे पहले सामने आने के बाद डब्ल्यूएचओ और चीन तेजी से प्रतिक्रिया दे सकते थे।

देश में आज भी ऐसे लोग हैं जो गांधीजी की विचारधारा को खत्म करना चाहते हैं : सिसोदिया

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाते वक्त हमें तीस जनवरी के इस दुर्भाग्यपूर्ण दिन को भी याद करना होगा। महात्मा गांधी की हत्या वाली विचारधारा को मानने वाले चंद लोग आज भी बापू की विचारधारा की हत्या निरंतर कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अगले साल महात्मा गांधी की 75वीं पुण्यतिथि भी है। हमें यह समझना होगा कि एक सपने के लोगों द्वारा दूसरे सपने की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण है। महात्मा पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के बतौर उपमुख्यमंत्री ने यह बात कही। इसमें उपमुख्यमंत्री को शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए महात्मा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सामाजिक कार्य और कोरोना काल में मानवीय प्रयासों के लिए महात्मा पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार की शुरुआत आदित्य बिड़ला समूह ने की है। इसका उद्देश्य अच्छे कार्य करके समाज में परिवर्तन लाने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं को सम्मानित करना है। महात्मा गांधी की 73 वीं पुण्यतिथि पर यह आयोजन हुआ। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी ने सक्षम लोगों को अक्षम लोगों की सेवा में लगाकर देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज सीएसआर के तहत भी महात्मा गांधी के विचारों पर चलते हुए समाज में सक्षम व अक्षम लोगों के बीच की दूरी कम करने का काम होता है।

मनीष सिसोदिया को शिक्षा में उत्कृष्ट महात्मा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

सिसोदिया ने कहा कि देश में आजादी के बाद शिक्षा पर कार्य हुए, लेकिन उसका लाभ सिर्फ 5 प्रतिशत विद्यार्थियों को मिला। लेकिन शेष 95 प्रतिशत बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं मिल पाई। सरकारों की नीतियां और प्राथमिकता चाहे जो भी रही हों, लेकिन आउटकम पर नजर डालें तो यही दिखेगा कि 95 प्रतिशत बच्चे अच्छी शिक्षा से वंचित रह गए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने शुरू से ही सारे बच्चों को अच्छी शिक्षा का सपना देखा है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि शिक्षा का एक न्यूनतम मानदंड जरूर हो।

गांधीजी ने देश के लिए जो सपने देखे थे, उनमें एक अंश शिक्षा भी था : सिसोदिया

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गांधीजी ने देश के लिए जो सपने देखे थे, उन सपनों का एक अंश शिक्षा भी था। दिल्ली सरकार इस पर काम कर रही है। दिल्ली सरकार ने पिछले 4-5 पांच वर्षों में शिक्षा का आधार मज़बूत करने का काम किया है। लेकिन शिक्षा को आधार बनाकर राष्ट्र के ढांचे को मजबूत करने का काम अभी बाकी है। दिल्ली सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है। आज भारतीय जनमानस का औसत सपना उच्च शिक्षा के लिए अपने बच्चों को हार्वर्ड, ऑक्सफ़ोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में भेजने का है। परंतु आज हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपनी शिक्षा पद्धति पर इतनी मजबूती से काम करें कि भविष्य में अमेरिका, जापान, ब्रिटेन जैसे देश के अभिभावक अपने बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए भारत के किसी शहर में भेजने का सपना देखें। जिस दिन हम दुनिया के लोगों को यह सोचने के मजबूर कर देंगे, उस दिन वास्तव में महात्मा गांधी का सपना पूरा होगा और भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करेगा। आज विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेम, अभिनेत्री शबाना आजमी सहित अन्य प्रमुख लोगों को भी महात्मा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उत्तरी निगम के सफाई कर्मचारियों ने खत्म की हड़ताल, लौटेंगे काम पर

नई दिल्ली,(रविशंकर तिवारी)।

उत्तरी दिल्ली के महापौर जयप्रकाश ने शनिवार को प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया है कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के सफाई कर्मचारियों में आज हड़ताल खत्म कर दी है और कल से सभी कर्मचारी अपने कार्य पर लौटेंगे। प्रेस वार्ता के दौरान स्थायी समिति के अध्यक्ष छैल बिहारी गोस्वामी, भाजपा दिल्ली प्रदेश के उपाध्यक्ष राजीव बब्बर, सफ़ाई कर्मचारियों की यूनियन के पदाधिकारी व अन्य कर्मचारियों की यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित थे। महापौर जयप्रकाश ने बताया है कि सफाई कर्मचारियों की मुख्य मांगे एफआर 17 के नियम, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, लेफ्ट आउट मामलों का जल्द निपटान व करुणामूलक आधार पर नौकरी से संबंधित थी जिन पर लिखित आश्वासन के बाद सफाई कर्मचारियों की यूनियन ने अपनी हड़ताल वापस ले ली है उन्होंने बताया कि सफाई कर्मचारियों से संबंधित सभी मुद्दों का निपटान तय समय सीमा में किया जाएगा। महापौर जयप्रकाश में बताया है कि कल से सभी सफाई कर्मचारी अपने अपने क्षेत्रों में कार्य करेंगे और क्षेत्रों में कूड़ा उठाना शुरू हो जाएगा।

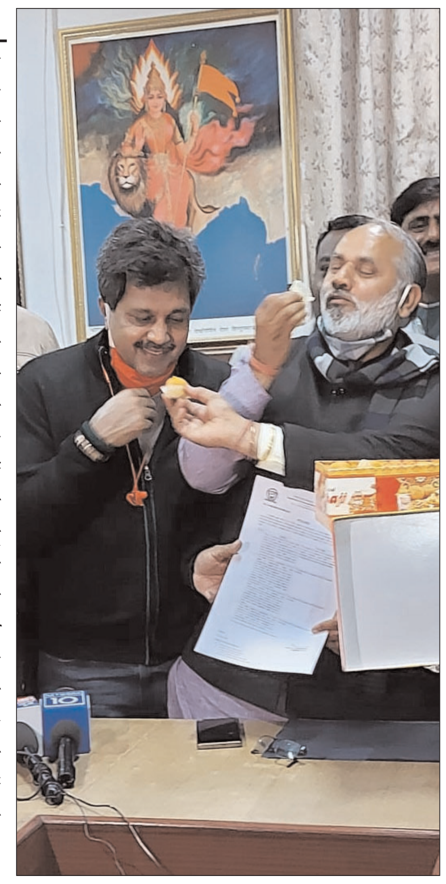

संक्षिप्त समाचार

गांधीजी की पुण्यतिथि पर युवा कांग्रेस ने निकाला अहिंसा मार्च

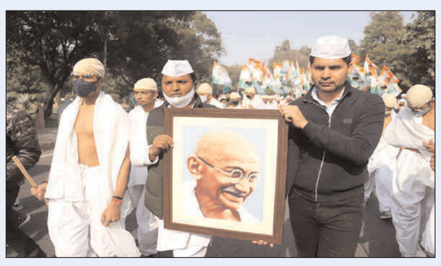

नई दिल्ली। युवा कांग्रेस ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर देश में शांति और सद्भाव के लिए शनिवार को यहां अहिंसा मार्च निकाला और लोगों से गांधीजी के विचारों पर चलने का आव्हान किया। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी.वी. के नेतृत्व में संगठन के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने अकबर रोड से 30 जनवरी मार्ग तक अहिंसा मार्च निकाला जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियो को संबोधित करते हुए कहा कि देश मे नफरत और ध्रुवीकरण की राजनीति को रोकने के लिए शांति एवं सद्भाव जरूरी है जो सिर्फ गांधी जी के बताये मार्ग पर चलकर ही संभव है। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य है इसलिए युवाओं को राष्ट्रपिता को पढ़ना होगा उनके विचारों को समझना होगा। कांग्रेस के संयुक्त सचिव तथा युवक कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु ने कहा कि महात्मा गांधी के विचार देश की एकता और अखंडता के लिए जरूरी है।

भाजपा बनागी मानव श्रृंखला

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश रविवार को प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता के नेतृत्व में कनाट प्लेस के इनर सर्किल में एक विशाल मानव श्रृंखला बनाएगी। यह जानकारी देते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड में पिछले पांच सालों में 26,000 करोड़ रुपए का घोटाला किया है। जिसका हिसाब सरकार जनता को नहीं दे रही है। सुनील यादव ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के सभी मोर्चे, प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता, नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी और दिल्ली के भाजपा सांसदों के साथ मिलकर एक विशाल मानव श्रृंखला बनाकर दिल्ली की भ्रष्ट आम आदमी पार्टी सरकार से 26000 करोड़ रुपए का हिसाब मांगेगी।

किसानों के प्रशिक्षण के लिए कृषि स्कूलों की स्थापना पर विचार

नई दिल्ली। सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें उत्पादक से उद्यमी के रूप में परिवर्तित करने और इसके लिए उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए ग्रामीण कृषि स्कूलों की स्थपना पर विचार कर रही है। संसद में कल पेश आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि किसानों को उत्पादक से उद्यमी के रूप में परिवर्तित करने के लिए उन्हें आधारभूत शिक्षा और प्रशिक्षण देना जरूरी है। इस संदर्भ में व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए ग्रामीण कृषि स्कूलों की स्थापना के विकल्प पर विचार किया जा सकता है। समीक्षा में कहा गया है कि पशु पालन डेयरी और मत्स्य पालन धीरे-धीरे रोजगार के महत्वपूर्ण स्रोत बनते जा रहे हैं। इन क्षेत्रों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय करने तथा उत्पाद की मार्केटिंग के पर्याप्त प्रावधान किए जाने चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र पूरी तरह से कृषि पर आधारित है और इसके विकास के बिना देश के समेकित विकास के सपने को साकार नहीं किया जा सकता है। देश की लगभग आधी आबादी कृषि और इससे जुड़े कार्यों में शामिल है।

कल से वेक्सीनेशन में दिल्ली पुलिस व आर्मी के जवानों को किया जाएगा शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना की रोकथाम के लिए चल रहे वैक्सीनेशन में अब स्वास्थ्य कर्मियों के साथ दिल्ली पुलिस और आमी के जवानों को भी शामिल किया जाएगा। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग ने इसे लेकर तैयारियां पूरी कर रही है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि दिल्ली में वैक्सीनेशन कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए स्वास्थ्यकर्मियों के साथ दिल्ली पुलिस और आमी को भी संदेश भेजा जा रहा है।

विभाग का कहना है कि हमारी कोशिश है कि सोमवार से स्वास्थ्यकर्मियों के साथ पुलिस व अन्य को भी वैक्सीन लगाई जाए। बता दें कि वर्तमान समय में दिल्ली के 106 केंद्रों पर वैक्सीन लगाई जा रही है। आने वाले दिनों में वैक्सीनेशन सेंटर को भी बढ़ाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शनिवार को दिल्ली के 106 केंद्रों पर 8774 स्वास्थ्य कर्मियों को वैक्सीन लगाई गई। इसमें से 10 स्वास्थ्य कर्मियों में साइड इफेक्ट दिखाई दिए। विभाग के अनुसार शनिवार को सेंट्रल जिले में 1178, ईस्ट जिले में 397, नई दिल्ली में 556, नार्थ जिले में 351, नार्थ ईस्ट जिले में 459, नार्थ वेस्ट जिले में 1040, शाहदरा जिले में 659, साउथ जिले में 1138, साउथ ईस्ट में 1057, साउथ वेस्ट में 679 और वेस्ट जिले में 1260 स्वास्थ्य कर्मियों को वैक्सीन लगाई गई।

भाजपा का दिल्ली सरकार पर आरोप

शिक्षा के नाम पर सिर्फ ढोंग कर रही है सरकार : गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम यमुना खादर में पोटा केबिन से विद्यालय का निर्माण करवाएगा जिससे उसमें 2,000 से अधिक बच्चों को शिक्षा दी जा सकेगी। ये बातें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कान्ति नगर में एक प्राथमिक विद्यालय के उद्घाटन अवसर पर कही। इस समारोह की अध्यक्षता निगम पार्षद कंचन महेश्वरी ने की। विद्यालय के उद्घाटन मौके पर पूर्वी दिल्ली नगर निगम के महापौर निर्मल जैन, मीडिया प्रमुख नवीन कुमार, नेता सदन प्रवेश शर्मा, निगम पार्षद श्यामसुंदर अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता आदित्य झा, विधायक अनिल वाजपेयी, निगम शिक्षा समिति के अध्यक्ष रोमेश गुप्ता, शाहदरा जिला अध्यक्ष राम किशोर शर्मा, मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार, शाहदरा जिला महिला मोर्चा अध्यक्षा दीपिका जैन, राजन वर्मा, कृष्ण भारद्वाज, कुसुम गुप्ता, संजय जैन सहित प्रदेश, जिला एवं मंडल के पदाधिकारी मौजूद थे।

पूर्वी निगम यमुना खादर में पोटा केबिन से विद्यालय का निर्माण कराएगा

आदेश गुप्ता ने कहा कि पूर्वी दिल्ली निगम द्वारा इस मुश्किल की घड़ी में भी लगातार शिक्षा के उत्थान के लिए काम करना और लगातार मेहनत का ही नतीजा है कि आज एक अच्छे स्कूल का भवन बनकर तैयार हुआ है। कोरोना काल के अंदर भी जनहित में और जरूरत मंदों के लिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने कई काम किए। कोरोना वरियर्स के रूप में पूर्वी दिल्ली के अध्यापकों ने लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन शिक्षा पर जोर दिया और पूर्वी दिल्ली के 357 निगम विद्यालयों में लगभग पौने दो लाख बच्चों को इसका लाभ हुआ। इसी का परिणाम है कि कोरोना संकट के दौरान भी पूर्वी दिल्ली नगर निगम के विद्यालयों में 38,000 नए एडमिशन हुए हैं, जिसके लिए पूर्वी दिल्ली के शिक्षकों को धन्यवाद देता हूं।

आदेश गुप्ता ने दिल्ली सरकार को दी चुनौती

आदेश गुप्ता ने दिल्ली सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार द्वारा निगम के फंड में कटौती करने के बावजूद यह भव्य नई बिल्डिंग बनकर तैयार हुई है। शिक्षा मॉडल की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को एक बार पूर्वी नगर निगम के इस भवन को देखना चाहिए। इस अवसर पर पूर्वी दिल्ली महापौर निर्मल जैन ने कहा कि दिल्ली सरकार ने जितना पैसा निगम को देने के नाम पर प्रचार में लगाया है उतना भी पैसा पूर्वी दिल्ली नगर निगम को नहीं दिया है। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों का वेतन 2196 करोड़ रुपए सलाना है, लेकिन केजरीवाल सरकार ने पिछले वर्ष सिर्फ 144 करोड़ रुपए ही दिए हैं। केजरीवाल निगम को पंगु बनाने का काम कर रहे हैं। निगम पार्षद कंचन महेश्वरी ने कहा कि इस स्कूल के जीर्णोद्धार में एक करोड़ 75 लाख की लागत से 12 कमरे, 6 स्टोर रूम व टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण किया गया है। दिल्ली सरकार सिर्फ विज्ञापन पर ध्यान देती है। केजरीवाल सरकार फण्ड के लिए निगम को परेशान करती है और झूठे आरोप लगाती है।

किसान आंदोलन के मुद्दे पर आप का भाजपा पर हमला

भाजपा नेताओं पर हो देशद्रोह का मुकदमा : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली,(प्रवीण कुमार सिंह)।

आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने बीते दिन सिंघु बॉर्डर पर हुए बवाल को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने मांग की है कि भाजपा नेताओं पर देशद्रोह का मुकदमा होना चाहिए।

आम आदमी पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए सौरभ भारद्वाज ने किसान आंदोलन के मुद्दे पर भाजपा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि जब से किसान आंदोलन पर बैठे हैं। सरकार यह साबित करने में लगी हुई है कि ये खालिस्तानी हैं। सरकार तय स्क्रिप्ट के अनुसार, आगे बढ़ रही है। 26 जनवरी को प्लानिंग की गई कि कैसे इन किसानों को देशद्रोही साबित किया जा सके। सौरभ ने कहा कि इसके लिए भाजपा के लोगों के जत्थे खड़े किए गए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दीप सिद्धू को इसके लिए प्लांट किया गया। पुलिस दीप सिद्धू के जत्थे को नहीं रोकती है। लाल किले पर हमला होता है, तो पुलिस उन्हें नहीं रोकती है। बॉर्डर और उसके आसपास के इलाकों में इंटरनेट बंद किया जाता है।

गाजीपुर बॉर्डर पर शर्म की सारी हदें पार हो गईं : सौरभ भारद्वाज

गाजीपुर बॉर्डर पर शर्म की सारी हदें पार हो गईं। भाजपा के लोगों ने राकेश टिकैत पर हमला किया। सौरभ भारद्वाज ने मांग की कि भाजपा पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए। कुछ भाजपा नेताओं का जिक्र करते हुए सौरभ ने कहा कि प्रदीप खत्री ठोलेदार, सुदामा सिंह, अमन डबास ये कुछ चुनिंदा भाजपा के स्थानीय नेता हैं, जिन्होंने किसानों पर हमला किया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने इन भाजपा नेताओं को किसानों पर हमला करने दिया। बीते दिन सिंघु बॉर्डर पर अलीपुर एसएचओ प्रदीप कुमार पर हुए हमले को लेकर भी सौरभ भारद्वाज ने सवाल खड़े किए। सौरभ ने कहा कि वीडियो में कहीं नजर नहीं आ रहा है कि किसी ने पुलिसकर्मी पर तलवार चलाई हो।

जम-जम फाउंडेशन के गठन को लेकर बैठक का हुआ आयोजन

नई दिल्ली, 30 जनवरी **(एजेंसी)।** जम-जम फाउन्डेशन का जल्द से जल्द सम्पूर्ण गठन करने के लिए फाउन्डेशन के मुख्य संरक्षक योगेन्द्र सिंह मान की अध्यक्षता में सिविक सेन्टर में चाय पर चर्चा की गई जिसमें दिल्ली के अलग अलग क्षेत्रों से सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और अपने अपने विचार रखें पिछले दो वर्षों से जाने माने सामाजिक कार्यकर्ता शमीम अहमद खान जम-जम फाउन्डेशन के माध्यम से सामाजिक कार्य कर रहें जिसमें योगेन्द्र सिंह मान भी अपना पूरा सहयोग देते चले आ रहें है। शमीम अहमद खान ने बताया कि जल्द ही एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करके जम-जम फाउन्डेशन के पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी आयोजित चाय पर चर्चा में जम-जम फाउन्डेशन के अध्यक्ष शमीम अहमद खान सहित सविता यादव ममता जैन, इन्दु शर्मा, मीनू दीवान, अनिता, चेतना, इम्तियाज अहमद, आलम मौहम्मद कामिल के साथ-साथ अर्चना व मोहित ने प्रमुख रूप से हिस्सा लिया।

जागरूकता | दक्षिणी निगम ने स्वच्छता रैली और प्रदर्शनी द्वारा लोगों को किया जागरूक

आयुक्त ज्ञानेश भारती ने स्वच्छता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दक्षिणी निगम ने राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस पर पश्चिमी जोन के टैगोर गार्डन सामुदायिक भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सदन के नेता नरेन्द्र चावला और आयुक्त ज्ञानेश भारती ने स्वच्छता रैली को हरी झंडी दिखाकर क्षेत्र में रवाना किया ताकि लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाई जा सके। इस स्वच्छता रैली में सफाई सैनिकों ने भाग लिया और स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर पश्चिमी जोन के अध्यक्ष कर्नल बी.के ओबरॉय, अतिरिक्त आयुक्त रमेश वर्मा, उपायुक्त डॉ.सोनल स्वरूप, प्रमुख अभियंता पी सी मीणा, स्वच्छ भारत अभियान के नोडल अधिकारी राजीव जैन और निगम के अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

- **स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत**

कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जहां निगम विद्यार्थियों द्वारा कूड़े ,प्लास्टिक, व्यर्थ पड़े चीजों से बनी सुंदर आकृतियों व उपयोगी वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी में यह दर्शाया गया किस तरह हम पुरानी और बेकार चीजों को रिसाइकल कर उपयोग कर सकते हैं। समारोह में स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के तहत आयोजित चित्रकला, नुक्कड़ नाटक और जिंगल मैंकिंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया,साथ ही स्वच्छ सर्वेक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सफ़ाई सैनिक और कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सदन की नेता नरेंद्र चावला ने कहा कि दक्षिणी निगम स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के मद्देनज़र में विशेष प्रयास कर रहा है। हमारे द्वारा कूड़े के सही निष्पादन के लिए गार्बेज कैफे-प्लास्टिक लाओ खाना खाओ, खिलौना बैंक, प्लास्टिक लाओ पौधा ले जाओ जैसी कई पहल शुरुआत की गई है। नागरिकों में जागरूकता लाने के लिए कई प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। सभी चारों जोन में सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, स्कूलों और आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है ताकि वह निगम के साथ मिलकर स्वच्छता के लिए प्रयास कर सके।

आयुक्त ज्ञानेश भारती ने बताया कि हमारे द्वारा शुरु किए गए नए कार्यों से नागरिकों की सहभागिता बढ़ेगी और वे स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के प्रति जागरूक होंगे व इसके महत्व को समझेंगे। उन्होंने बताया कि दक्षिणी दिल्ली नगर निगम बेहतर रैंकिंग पाने के लिए विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रम चला रहा है और आरडब्ल्यूए व मार्किट ऐसोसिएशन को भी जागरूकता व सफाई अभियानों से जोड़ रहा है। हमारी नागरिकों से अपील है कि वे इस स्वच्छ सर्वेक्षण में भाग लें और रैंकिंग में सुधार लाने में हमारा सहयोग करें।

संपादकीय

पुराने समीकरण में नया गठजोड़

तमिलनाडु की राजनीति में ऐसा लगता है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी योजना भविष्य के लिए टाल दी है। काफी ऊहापोह के बाद अब वह फिर से सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक के नेतृत्व को स्वीकारती हुई दिख रही है और मिलकर ही आगामी राज्य विधानसभा का चुनाव लड़ेगी। इस समय भाजपा की सोच यही लग रही है कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के तमाम सहयोगी दलों को साथ लाकर अन्नाद्रमुक के हाथों को मजबूत करना चाहती है, ताकि सभी मिलकर द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन को हरा सकें। साल 2016 के विधानसभा चुनाव में जयललिता के नेतृत्व के बावजूद अन्नाद्रमुक गठबंधन अपने प्रतिद्वंद्वी द्रमुक गठजोड़ से बमुश्किल एक फीसदी वोट अधिक पा सका था। इसलिए कोई भी आंतरिक कलह और वोट प्रतिशत में गिरावट गठबंधन को प्रभावित कर सकता है।

भाजपा राज्य में अपना शासन चाहती है, ताकि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के बेहतर प्रबंधन में मदद मिल सके। इसके अलावा, अन्नाद्रमुक की हमराह बनकर यदि इसने कुछ विधानसभा सीटें जीत लीं, तो बिहार मॉडल की तरह यहां भी वह मंत्रिमंडल साझा कर सकती है। यह रणनीति मुख्यमंत्री ई पलानीसामी के भी अनुकूल है, जो तमाम उठापटक के बावजूद पिछले चार वर्षों से अपनी पार्टी अन्नाद्रमुक को एक रखने में सफल रहे हैं। राज्य में भाजपा बेशक कमजोर है और वह अन्नाद्रमुक की ताकत में बहुत ज्यादा इजाफा नहीं कर सकेगी, पर करीबी मुकाबले में हरेक वोट ही कीमती होता है। भाजपा को गठबंधन से बाहर रखना समझदारी भरा कदम नहीं होगा, क्योंकि केंद्र में वह सत्ता में है, जिसका नुकसान मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी को हो सकता है। मुख्यमंत्री पलानीसामी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के दौरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। संभावना है कि दोनों नेता गठबंधन पर अंतिम मुहर लगा सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अन्नाद्रमुक के साथ पीएमके (डॉ रामदास), डीएमडीके (विजयकांत), टीएमसी (दिवंगत कांग्रेसी जी के मूपनार) जैसे एनडीए के अन्य घटक दलों के साथ भी गठबंधन पर चर्चा कर सकते हैं। हालांकि, पलानीसामी प्रधानमंत्री को चेन्नई के मरीना तट पर बने जे जयललिता मेमोरियल के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने आ रहे हैं, पर इस मौके का उपयोग सूबे की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा के लिए किया जा सकता है।

भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति राज्य की राजनीति में अपनी जमीन मजबूत करने की है, ताकि अगले दशक में वह अपने पांव पर खड़ी हो सके। पिछले चार वर्षों से भाजपा राज्य में अपना आधार मजबूत करने के लिए प्रयास करती रही है, क्योंकि जब राज्य में एम करुणानिधि और जे जयललिता जैसे शक्तिशाली क्षत्रप थे, तब उसके लिए कोई गुंजाइश नहीं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जयललिता के भले ही अच्छे रिश्ते रहे, लेकिन उन्होंने 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन करने से इनकार कर दिया था। उनके निधन के बाद हतोत्साहित अन्नाद्रमुक ने 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ गठजोड़ किया। मगर इस गठबंधन को द्रमुक नेतृत्व वाले गठबंधन से करारी शिकस्त मिली और सिर्फ एक सीट उसके खाते में आ सकी। हालांकि, विधानसभा के उप-चुनावों में 11 सीटें जीतकर सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक राज्य में अपनी सत्ता बचाने में कामयाब रही, जबकि 13 सीटें जीतने के बाद भी द्रमुक उसकी कुरसी छीन नहीं पाई। 2019 के आम चुनाव के बाद से ही भाजपा और संघ परिवार तमिलनाडु में भगवा लहर के उभार के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए कई योजनाएं बनाई गईं, जिनमें से एक धार्मिक आयोजनों के दौरान अपने काडर को संगठित करना भी था। इन प्रयासों का मकसद राज्य में हिंदू वोट को एक करना था। हालांकि, ब्राह्मणों को छोड़कर अन्य कई उच्च जाति के हिंदू भाजपा की तरफ झुकाव रखते थे, लेकिन पार्टी को उन्हें भुनाने का मौका नहीं मिल सका। ऐसा इसलिए, क्योंकि तमिलनाडु अत्यधिक धार्मिक राज्य तो है, लेकिन धर्म और चुनावी राजनीति का घालमेल तमिल लोग नहीं करते। भाजपा इसका तोड़ नहीं निकाल सकी है। भाजपा के पास राज्य में करिश्माई नेतृत्व का अभाव है, लेकिन जो थोड़ी-बहुत उम्मीद थी, वह भी सुपर स्टार रजनीकांत के एलान के बाद जमींदोज हो गई। पार्टी को भरोसा था कि रजनीकांत या तो भाजपा में शामिल हो जाएंगे या ऐसी पार्टी बनाएंगे, जो भाजपा के साथ होगी। आपस में मिलकर चुनावी बाजी मारने के सपने भी वह देख रही थी। पर स्वास्थ्य कारणों से राजनीति से दूर रहने की रजनीकांत की घोषणा ने यह योजना विफल कर दी। नतीजतन, द्रविड़ राजनीति के इतर सरकार देने का वादा करने वाली भाजपा गठबंधन का राग अलापने लगी। इस बाबत पहला संकेत तब मिला, जब राज्य में पार्टी के पर्यवेक्षक सी टी रवि ने पलानीसामी को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में कुबूल कर लिया। यह उन स्वरों को शांत करने जैसा था, जिसमें पार्टी के कुछ स्थानीय पदाधिकारी पलानीसामी को अन्नाद्रमुक का मुख्यमंत्री चेहरा बता रहे थे, एनडीए का नहीं। उनका कहना था कि एनडीए के नेता का चयन चुनाव के बाद किया जाएगा। इस तरह के बयानों से पलानीसामी खेमा काफी खफा था। मुख्यमंत्री, जो उप-मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम द्वारा पैदा की गई राजनीतिक चुनौती से पार पाने में सफल रहे हैं, एन शशिकला की वापसी को लेकर भी खासे चिंतित हैं। शशिकला इस महीने के अंत में बेंगलुरु जेल से रिहा हो सकती हैं, जहां आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में वह सजा काट रही हैं। जाहिर है, भाजपा-अन्नाद्रमुक गठजोड़ होने के बाद चुनावी जंग द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच ही होगी। हालांकि, शुरुआत में द्रमुक को बढ़त मिलती दिखी थी, लेकिन पलानीसामी के जबर्दस्त प्रदर्शन से उसकी चमक फीकी पड़ने लगी है। कोविड संकट का बेहतर प्रबंधन करके भी मुख्यमंत्री लोगों का दिल जीतते हुए दिख रहे हैं, और नीट मेडिकल प्रवेश परीक्षा पास करने वाले सरकारी स्कूलों के बच्चों को कॉलेजों में दाखिल में 7.5 फीसदी आरक्षण देने, एक बड़ी आबादी को 2,500 रुपये पोंगल उपहार देने जैसे लोक-लुभावन कदम भी उन्हें लोकप्रिय बना रहे हैं।

प्रवीण कुमार सिंह

छोटे-छोटे उद्यमों के विकास से देश में बढ़ सकती है शांति और खुशहाली

बावजूद इसके कृषि से जुड़े तीन कानूनों को लेकर जारी किसान आंदोलन और कई दौर की वार्ता के बावजूद बात न बनना शांति की राह में एक समस्या है। पिछले पांच वर्षो में पांच करोड़ नए रोजगार के अवसर छोटे उद्यमों में विकसित करने वाला कदम उचित है, मगर कोरोना के चलते कई उद्यम संकट में चले गए। इनसे यह स्पष्ट है कि बात जितनी बनती है, कुछ उतनी ही बिगड़ने वाली भी है, नतीजन शांति व खुशहाली को बड़े पैमाने पर बनाए रख पाना कठिन है, मगर सुशासन से यह सब कुछ संभव है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि उभरते परिदृश्य और प्रतिस्पर्धा से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला है। इसके पीछे सरकार द्वारा किए गए प्रयासों को नकारा नहीं जा सकता। सकारात्मक दृष्टिकोण को यदि और बड़ा कर दें तो व्यवसायी शासन का संदर्भ उभरता है जिसे उत्प्रेरक सरकार भी कह सकते हैं। ऐसा शासन जहां समस्या उत्पन्न होने पर उसका निदान ही नहीं किया जाता, बल्कि समस्या उत्पन्न ही नहीं होने दी जाती है। शासन या सरकार चाहे उद्यमी हो या उत्प्रेरक, परिणामोन्मुख होना ही होता है। सुशासन इसी की एक अग्रणी दिशा है जहां कार्यप्रणाली में अधिक खुलापन, पारदर्शिता और जवाबदेहिता की भरमार होती है। सरकार की नीतियां मंद न पड़ें और क्रियान्वयन खामियों से मुक्त हों व जनता के दुख-दर्द को मिटाने का पूरा इरादा हो तो वही सुशासन है।

आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत सुधारों और प्रोत्साहन के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों को मजबूत करना। अर्थव्यवस्था, अवसंरचना, तंत्र और जनसांख्यिकीय और मांग को समझते हुए आधारित सुधार हमेशा शांति और खुशियां देती रहती हैं। सरकारें अपनी योजनाओं के माध्यम से मसलन प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, खाद्य सुरक्षा, मनरेगा, किसान क्रेडिट कार्ड सहित आत्मनिर्भर पैकेज आदि के माध्यम से सुशासन की राह समतल करने के प्रयास में रहती हैं। गौरतलब है कि सुशासन एक लोक प्रवर्धित अवधारणा है और यह तब तक पूरा नहीं होता जब तक जनता सशक्त नहीं होती। इसके अभाव में राज-काज तो संभव है, पर शांति और खुशहाली का अभाव रहता है।

साल 2020 कोरोना की अग्निपरीक्षा में रहा, जबकि साल 2021 कई संभावनाओं से दबा है। चूंकि कोविड का प्रभाव अभी बरकरार है, ऐसे में सत्ता को पुराने

डिजाइन से बाहर निकलना होगा। दावे और वादे को परिपूर्ण करना होगा। किसी भी देश का विकास वहां के लोगों के विकास से जुड़ा होता है, ऐसे में सुशासन केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सहभागी विकास और लोकतांत्रीकरण की सीमा लिए हुए है।

देखा जाए तो देश को आर्थिक सुधार के मार्ग पर अग्रसर हुए तीन दशक हुए हैं, इस दौरान अर्थव्यवस्था कई अमूलचूल बदलाव से गुजरी है। मगर कई समस्याएं आज भी रोड़ा बनी हुई हैं। भारत सरकार 2030 के सतत विकास लक्ष्य प्राप्त करने के लिए वचनबद्ध है, मगर वर्तमान स्थिति को देखते हुए और सुदृढ़ नीति की आवश्यकता है। भारत में भुखमरी की स्थिति खुशहाली के लिए चुनौती है। यह तब और आश्चर्य की बात है जब खाद्यान्न उत्पादन कई गुना बढ़ा हो। राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन के तहत समता पर आधारित किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सबको सुलभ कराने का लक्ष्य रखा गया है।

देश का आर्थिक विकास दर भी ऋणात्मक में चला गया। हालांकि इस बीच एक सुखद संदर्भ यह है कि दिसंबर 2020 में जीएसटी का संग्रह 1.15 लाख करोड़ से अधिक हुआ जो जुलाई 2017 में इसके लागू होने के बाद से किसी माह की तुलना में सर्वाधिक उगाही है। इससे यह भरोसा बढ़ता है कि अर्थव्यवस्था पटरी पर आ रही है, मगर जिस तरह से चीजों पर असर हुआ है उसे मैनेज करने के लिए यह नाकाफी है। अभी भी शिक्षा का ताना-बाना बिगड़ा है और आर्थिक अभाव में कइयों से शिक्षा दूर चली गयी है। करीब नौ करोड़ मिड डे मील सुविधाभोगी बच्चे किस हालत में हैं, कोई खोज खबर नहीं है।

नई शिक्षा नीति 2020 एक सुखद ऊर्जा भरती है, मगर कोरोना ने जो कोहराम मचाया है, उससे शिक्षा सहित अनेक व्यवस्थाएं जब तक पटरी पर नहीं आएंगी, शांति और खुशहाली दूर की कौड़ी बनी रहेगी। हालांकि सरकार बुनियादी ढांचे में निवेश, हर हाथ को काम देने के लिए स्टार्टअप और सूक्ष्म, मध्यम और लघु उद्योग पर जोर देने के अलावा नारी सशक्तीकरण, गरीबी उन्मूलन की दिशा में कदम उठा रही है और कई तकनीकी परिवर्तन के माध्यम से सीधे जनता को लाभ देने की ओर है। मसलन किसान सम्मान योजना। सभी के लिए भोजन व बुनियादी आवश्यकता की पूर्ति सुशासन की दिशा में उठाया गया संवदेनशील कदम है, जबकि विकास के सभी पहलुओं पर एक अच्छी राह देना खुशहाली का पर्याय है।

डिजिटल गवर्नेंस के दौर में रहन-सहन भी आसान हुआ है, मगर 2022 में किसानों की आय को दोगुना करना और दो करोड़ घर उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती है। बड़ी तादाद में किसान अभी भी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं। पिछले बजट में करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये का प्रविधान गांव और खेत-खलिहानों के लिए किया गया जो सुशासन के रास्ते को चौड़ा करता है। बावजूद इसके कृषि से जुड़े तीन कानूनों को लेकर जारी किसान आंदोलन और कई दौर की वार्ता के बावजूद बात न बनना शांति की राह में एक समस्या है। पिछले पांच वर्षो में पांच करोड़ नए रोजगार के अवसर छोटे उद्यमों में विकसित करने वाला कदम उचित है, मगर कोरोना के चलते कई उद्यम संकट में चले गए। इनसे यह स्पष्ट है कि बात जितनी बनती है, कुछ उतनी ही बिगड़ने वाली भी है, नतीजन शांति व खुशहाली को बड़े पैमाने पर बनाए रख पाना कठिन है, मगर सुशासन से यह सब कुछ संभव है।

संघर्ष कर रहे मध्य प्रदेश राज्य के किसानों और शिवराज सरकार की बडी जीत

मध्य प्रदेश के बासमती धान और शरबती गेहूं को जियोग्राफिकल इंडिकेशन टैग (जीआइ टैग) मिलने की राह का रोडा हटाने की रजामंदी ने किसानों के सपनों को नया आकाश दिया है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने अपनी उस आपत्ति को वापस लेने का निर्णय लिया है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि मध्य प्रदेश उस भौगोलिक क्षेत्र में नहीं आता है, जहां बासमती धान का उत्पादन होता है। इतना ही नहीं, देश और और दुनिया में प्रसिद्ध मध्य प्रदेश के शरबती गेहूं को भी जीआइ टैग देने का प्रस्ताव प्राधिकरण ने पारित करके केंद्र सरकार को भेज दिया है। यह अपने अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे राज्य के किसानों और शिवराज सरकार की बडी जीत है।

राज्य में पैदा होने वाले बासमती धान को जीआइ टैग देने की मांग लंबे समय से की जा रही थी, लेकिन कई तरह की अड़ंगेबाजी के कारण लग रहा था कि इसके लिए प्रदेश को अभी लंबी लड़ाई लड़नी पड़ेगी। हाल के महीनों में सबसे मुखर विरोध पंजाब सरकार ने किया था, लेकिन अब यह साफ हो गया है कि मध्य प्रदेश का दावा बिल्कुल वाजिब है। जीआइ टैग मिलने से यहां के बासमती धान को वैश्विक पहचान मिलेगी और इसके निर्यात में तेजी आएगी। इससे न सिर्फ किसानों की समृद्धि का द्वार खुलेगा, बल्कि बासमती धान की खेती में भी प्रगति होगी।

दरअसल हाड़तोड़ मेहनत करके किसान अनाज उगाते हैं। ऐसे में उन्हें अपनी उपज का वाजिब दाम न मिले तो उनका निराश होना स्वाभाविक है। मध्य प्रदेश के बासमती धान उत्पादक किसानों के साथ लंबे समय से ऐसा ही हो रहा था। प्रदेश की उर्वर भूमि में सुगंधित बासमती धान बहुतायत में पैदा होता है, लेकिन उसे अभी तक भौगोलिक संकेतक (जीआइ टैग) नहीं मिला है। इसका मतलब यह हुआ कि इस धान को न तो बासमती का नाम मिल सकता है और न ही वाजिब दाम। इसका खामियाजा प्रदेश के किसानों के साथ सरकार को भी उठाना पड़ रहा है। यही कारण है कि शिवराज सरकार ने किसानों की यह लड़ाई हर मोर्चे पर लड़ी, अदालत का दरवाजा खटखटाया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने तथ्य रखकर सहयोग की गुहार लगाई। नतीजन एपीडा की ओर से खुशखबरी दी गई है कि मध्य प्रदेश के बासमती धान को जीआइ टैग मिलने का रास्ता साफ हो गया है। यह प्रामाणिक तथ्य है कि मध्य प्रदेश में बासमती धान की खेती का विस्तार मुरैना, भिंड, ग्वालियर, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, गुना, विदिशा, रायसेन, सीहोर, होशंगाबाद, हरदा, जबलपुर और नरसिंहपुर जिले तक हो चुका है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अनेक व्यवसायी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से यहां का बासमती धान खरीदते हैं और चावल बनाकर अपनी मुहर लगाकर कारोबार करते हैं। राज्य में वर्ष 1940 से लगातार बासमती धान की खेती होने के दस्तावेजी प्रमाण हैं। ग्वालियर स्टेट के कृषि विभाग की वर्ष 1944-45 की वार्षिकि रिपोर्ट में यह स्पष्ट लिखा है कि बासमती प्रजाति के धान ने अच्छा परिणाम दिया है और देहरादून से ताजा बीज के लिए आदेश दे दिए गए हैं, ताकि कुछ चयनित बीज उत्पादकों को इसे वितरित किया जाए। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत इन्हीं साक्ष्यों को स्वीकार करते हुए हुए जीआइ रजिस्ट्री ने 31 दिसंबर 2013 को निष्कर्ष दिया कि मध्य प्रदेश में बासमती का उत्पादन होता है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ राइस रिसर्च, हैदराबाद के सर्वेक्षण 2017 में भी बताया गया है कि सीधी, अनूपपुर, कटनी, उमरिया में बासमती धान की कई प्रजातियों की खेती होती है।

वर्ष 1993 से 2017 तक हुए सर्वे में भी प्रत्येक वर्ष बासमती की खेती बड़े भूभाग में होने के तथ्य हैं। बड़ा प्रमाण यह भी है कि अप्रैल 1999 से 2016 तक लगातार केंद्र सरकार मध्य प्रदेश को ब्रीडर सीड आवंटित करती रही है। भोपाल से सटे औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप से अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों को बासमती चावल के निर्यात के प्रमाण भी उपलब्ध हैं। इन सभी तथ्यों के आधार पर शिवराज सरकार ने दावा किया था, लेकिन पंजाब सहित अन्य की आपत्ति के कारण जीआइ टैग नहीं मिल पा रहा था।

इस बीच 20 अगस्त 2020 को पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने तो बाकायदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मध्य प्रदेश के बासमती धान को जीआइ टैग दिलाने के प्रयासों पर आपत्ति दर्ज कराई थी। इस पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर न सिर्फ दस्तावेजी तथ्य बताए, बल्कि पंजाब की कांग्रेस सरकार को मध्य प्रदेश के किसानों का विरोधी भी करार दिया। सुप्रीम कोर्ट में भी विशेष अनुमति याचिका दायर की गई।

खर्च बढ़ाने वाली राह

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा शुक्रवार को संसद में पेश किया गया आर्थिक सर्वे इस धारणा पर आधारित है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपने सबसे मुश्किल दौर से निकल चुकी है और आगे हालात तेजी से बेहतर होते जाएंगे। कोरोना और लॉकडाउन की जकड़न के चलते साल 2020-21 में जीडीपी में 7.7 फीसदी की गिरावट होने का अनुमान बताते हुए सर्वे में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था वी शेप्ड रिकवरी (तेज गिरावट के बाद उतनी ही तेजी से ऊपर आने का रुझान) दर्शा रही है।

इस लिहाज से अगले वित्त वर्ष यानी 2021-22 में जीडीपी में 11 फीसदी की विकास दर देखने को मिल सकती है। हालांकि यह अनुमानित विकास दर माइनस 7.7 फीसदी के काफी निचले बेसमार्क पर आधारित है, फिर भी एक साल के लिए यह काफी ऊंची छलांग मानी जाएगी। रहा सवाल इसे संभव बनाने के तरीकों का तो आर्थिक सर्वे से यह साफ हो जाता है कि सरकार मुख्यतः इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट्स में निवेश बढ़ाकर इस लक्ष्य को साधने की कोशिश में है। मौजूदा हालात के ब्यौरों में जाते हुए सर्वे में रेखांकित किया गया है कि आयात और निर्यात, दोनों में भले अच्छी-खासी गिरावट आई हो, लेकिन इस बार 2 फीसदी का करंट अकाउंट सरप्लस दर्ज किया गया है जो 17 साल में पहली बार संभव हुआ है।

विदेशी मुद्रा भंडार भी 586.1 अरब डॉलर (8 जनवरी 2021 का आंकड़ा) के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है। यह भी कि अर्थव्यवस्था जैसे-जैसे संकट से उबर रही है, वैसे-वैसे सरकार की राजस्व वसूली में भी सुधार हो रहा है। दिसंबर महीने का जीएसटी कलेक्शन एक लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया। ऐसे सकारात्मक संकेतों के आधार पर सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह मजबूती से आगे बढ़े और ग्लोबल रेटिंग एजेंसियों की ज्यादा परवाह न करे। साफ-साफ कहा जाए तो आर्थिक सर्वे आगे के लिए यही राह सुझा रहा है कि वह कर्ज के बोझ, वित्तीय घाटे और नकारात्मक ब्याज दर की चिंता किए गए बगैर सरकारी खर्चे बढ़ाए और विकास की रफ्तार तेज करे। सर्वे के मुताबिक मौजूदा हालात में इसका कोई विकल्प भी नहीं है।

बहरहाल, भविष्य के सुनहरे सपनों में खोने से पहले हमें यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि आर्थिक सर्वे के आंकड़े मोटे तौर पर कॉरपोरेट और फॉर्मल सेक्टर्स के फीडबैक पर आधारित होते हैं। असंगठित क्षेत्र से फीडबैक आने में वक्त लगता है।

महामारी और लॉकडाउन के झटकों से भारत के छोटे कारोबारी कितना उबर पाए हैं, इस बारे में ठोस जानकारियां अभी सरकार के पास नहीं हैं। याद रहे, यह तबका नोटबंदी और जीएसटी के झटकों से उबरने में ही जुटा था कि लॉकडाउन ने इस पर तगड़ी चोट कर दी।

भारत के घरेलू बाजार की खुशहाली काफी कुछ इसकी आर्थिक सेहत पर ही निर्भर करती है। वैश्विक स्तर पर कोरोना की स्थिति आज भी गंभीर बनी हुई है। ऐसे में निर्यात में खास सुधार की उम्मीद तत्काल नहीं की जा सकती। वी शेप्ड रिकवरी सुनने में शानदार लगती है और हर मंदी के बाद इसका मंत्रोच्चार जरूरी समझा जाता है लेकिन अर्थव्यवस्था की अच्छी बुनियाद बनाने वाली बात इस कर्मकांड के दौरान छूट ही जाती है। उम्मीद करें कि इस पहले पोस्ट-कोरोना बजट में ऊपर ही ऊपर देखने की गलती नहीं की जाएगी और इसका जोर छोटे उद्यमों तथा खेती-किसानी की स्थिति सुधारने वाले उपायों पर रहेगा।

राष्ट्रीय और सांस्कृतिक प्रतीकों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वालों की साख खत्म होती जा रही है

यद्यपि यह सही है कि कुछ समय पहले चंद असामाजिक तत्वों ने गाय के नाम पर उत्पात मचाया था, लेकिन इससे सौ करोड़ हिंदुओं की आस्था की धार्मिक-सांस्कृतिक प्रतीक गाय के बारे में ऊटपटांग लिख देने का अधिकार नहीं मिल जाता। ऐसी सैकड़ों घटनाएं मिलेंगी। चाहे अयोध्या में रामजन्मभूमि विवाद हो या बंगाल में जय श्रीराम के नारे के प्रति अमर्त्य सेन और ममता बनर्जी का रुख हो या फिर केंद्रीय विद्यालयों में संस्कृत में की जाने वाली प्रार्थना संबंधी मुद्दा हो अथवा दर्शनशास्त्र के प्रश्नपत्र में भगवद्गीता को शामिल करने पर उठा विवाद हो।

राष्ट्र की परिकल्पना केवल इसके भौगोलिक और राजनीतिक इकाई होने से ही पूर्ण नहीं होती। इसकी परिपूर्णता उसके राष्ट्रीय और सांस्कृतिक प्रतीकों द्वारा भी संपन्न होती है। दुनिया के सभी देशों और समाजों-भारत, चीन, मिस्र, यूनान आदि प्राचीन सभ्यताओं से लेकर अमेरिका जैसे नए देशों के भी अपने राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक प्रतीक हैं। ये प्रतीक न केवल राष्ट्र के स्वाभिमान और अस्मिता के आधार होते हैं, बल्कि राष्ट्रीय एकता में भी सहायक होते हैं। इसलिए इन प्रतीकों के सम्मान या रक्षा के लिए विशेष संवेदनशीलता दिखती है। इसमें बुद्धिजीवियों की विशेष भूमिका होती है, क्योंकि किसी भी देश-समाज को दिशा देने का कार्य बौद्धिक वर्ग ही करता है। दुर्भाग्य से भारत के पश्चिमी मानसिकता से ग्रस्त बौद्धिक वर्ग की दृष्टि भारत के राष्ट्रीय और सांस्कृतिक प्रतीकों के प्रति नकारात्मक ही रहती है। पिछले कुछ दिनों की घटनाओं को देखें तो यह बात साफ नजर आएगी-बात चाहे गणतंत्र दिवस मनाने से जुड़े विवाद की हो या औरंगाबाद के नामकरण की। राष्ट्रीय और सांस्कृतिक प्रतीकों के प्रति वामपंथी, लिबरल और सेक्युलर बुद्धिजीवियों की रणनीति तीन तरह की होती है। उपेक्षा करो, खिल्ली उड़ाओ और विरोध करो। किसान आंदोलन में शामिल हो गए तथाकथित उदारवादी-वामपंथी बुद्धिजीवियों के उकसावे पर गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर रैली निकालना इस पर्व का अपमान ही है।

पिछले दिनों बुद्धिजीवी माने जाने वाले लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने एक शिगूफा छोड़ा कि गणतंत्र

दिवस पर मुख्य अतिथि ब्रिटिश प्रधानमंत्री का भारत दौरा रद होने के कारण इस बार गणतंत्र दिवस समारोह को ही रद कर दिया जाए, फिर तो जाने-माने वकील एवं एनसीपी नेता माजिद मेमन के साथ-साथ शिवसेना प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी आदि भी थरूर के समर्थन में कूद पड़े। गणतंत्र दिवस समारोह को रद करने की उनकी मांग अभूतपूर्व थी, क्योंकि आज के माहौल में इस राष्ट्रीय पर्व को मनाए जाने की और भी ज्यादा आवश्यकता थी। एक ओर देशवासियों में मनोबल का संचार करने के लिए तो दूसरी ओर चीन-पाकिस्तान जैसे नापाक देशों को संदेश देने के लिए कि कोरोना संकट में भी भारत डटकर खड़ा है। यह अच्छा हुआ कि गणतंत्र दिवस न मनाने की बेतुकी सलाह ने दम तोड़ दिया।

गौरतलब है कि पिछले साल जून-जुलाई में जब कोरोना संकट अपने चरम पर था, तब भी इटली, अमेरिका या रूस जैसे सर्वाधिक पीड़ित देशों ने उन महीनों में होने वाले अपने राष्ट्रीय दिवस समारोह रद नहीं किए थे। यहीं यह भी याद करें कि एक और राष्ट्रीय प्रतीक राष्ट्रध्वज के बारे में पिछले साल अक्टूबर में पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की वापसी नहीं होने तक वह राष्ट्रध्वज नहीं पकड़ेंगी। राष्ट्रीय प्रतीक तिरंगे के प्रति इस अपमानजनक रुख पर देश का छद्म उदारवादी बुद्धिजीवी एक बार फिर मौन साध गया था। अगर ऐसे वक्तव्य भाजपा या आरएसएस के लोगों ने दिए होते तो अब तक लुटियन दिल्ली और उसकी मीडिया में भूचाल आ गया होता और मोदी सरकार पर संवैधानिक मर्यादा के उल्लंघन एवं संविधान की हत्या का आरोप लग चुका होता।

राष्ट्रीय प्रतीकों के अलावा देश के सांस्कृतिक प्रतीक भी होते हैं। जैसे- महापुरुष, स्मारक, चिह्न, स्थल इत्यादि। व्यक्ति के स्तर पर ये सांस्कृतिक प्रतीक ऐसे स्त्री-पुरुष होते हैं जिनसे जुड़कर गर्व होता है, क्योंकि वे एक आदर्श और उसकी अस्मिता के प्रतीक होते हैं।

आजकल महाराष्ट्र में औरंगाबाद शहर का नाम बदलकर संभाजी नगर रखे जाने पर भी एक विवाद उठ खड़ा हुआ है, जिसका राजनेताओं के अलावा तथाकथित बुद्धिजीवियों ने भी विरोध शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र में सर्वमान्य शिवाजी के लोकप्रिय पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज की औरंगजेब द्वारा निर्मम हत्या इसी क्षेत्र में कर दी गई थी। औरंगजेब के नाम पर इस शहर का नया नामकरण औरंगाबाद हुआ। कुछ लोगों का यह तर्क बेतुका है कि नाम बदल जाने से शहर का भाग्य नहीं बदल जाएगा। यही तर्क उस समय तो नहीं दिया गया था, जब कांग्रेस सरकार ने 2006 में पांडिचेरी (औपनिवेशिक नामकरण) को बदलकर पुदुचेरी अथवा कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार ने 1991 में त्रिवेंद्रम का नाम तिरुवनंतपुरम कर दिया था। कोई भी स्वाभिमानी समाज अत्याचारी या औपनिवेशिक शासक द्वारा दिए नाम को ज्यादा दिनों तक बर्दाश्त नहीं कर सकता, लेकिन तथाकथित बुद्धिजीवियों के विरोध का मानदंड तो दोहरा होता है। उनके मन में सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रतीकों की खिल्ली उड़ाने का भाव होता है।

कष्टकारी यह है कि तथाकथित बुद्धिजीवियों एवं छद्म उदारवादियों में इस तरह का भाव और दृष्टिकोण हिंदू प्रतीकों के प्रति अधिक रहता है। इसका एक उदाहरण है हाल में एक अंग्रेजी अखबार में गाय पर लिखा गया बेहद अपमानजनक संपादकीय। यद्यपि यह सही है कि कुछ समय पहले चंद असामाजिक तत्वों ने गाय के नाम पर उत्पात मचाया था, लेकिन इससे सौ करोड़ हिंदुओं की आस्था की धार्मिक-सांस्कृतिक प्रतीक गाय के बारे में ऊटपटांग लिख देने का अधिकार नहीं मिल जाता। ऐसी सैकड़ों घटनाएं मिलेंगी। चाहे अयोध्या में रामजन्मभूमि विवाद हो या बंगाल में जय श्रीराम के नारे के प्रति अमर्त्य सेन और ममता बनर्जी का रुख हो या फिर केंद्रीय विद्यालयों में संस्कृत में की जाने वाली प्रार्थना संबंधी मुद्दा हो अथवा दर्शनशास्त्र के प्रश्नपत्र में भगवद्गीता को शामिल करने पर उठा विवाद हो। सबमें वही पैटर्न नजर आएगा।

यही नहीं, अपनी मनमानी न चलने पर ये लोग सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग एवं सीएजी जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर भी आरोप लगाने और उनकी मर्यादा पर हमला करने से नहीं चूकते। ध्यान दें कि कृषि कानूनों की समीक्षा पर कमेटी बनाए जाने पर किस तरह सुप्रीम कोर्ट को खरी-खोटी सुनाई गई। अब तो जीवनदायी के रूप में विकसित आत्मनिर्भर भारत के प्रतीक देश में बने कोरोना टीके पर भी घटिया राजनीति शुरू हो गई है। राष्ट्रीय और सांस्कृतिक प्रतीकों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाले बौद्धिकता के अलंबरदार यह जान लें कि आमजन ही नहीं, पढ़े-लिखे मध्यवर्ग के बीच भी उनकी साख खत्म होती जा रही है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

धर्म के क्षेत्र में कभी उपेक्षा मत करो और अपेक्षा भी मत रखो

विश्व शांति की कामना को लेकर हुआ विश्व शांति महायज्ञ, माड़ने पर समर्पित किये अर्घ्य

भोपाल (एजेंसी)। जिनालय हमारी श्रद्धा भक्ति और आस्था के केन्द्र हैं जिनालय मात्र दर्शन पूजा के लिये नहीं बल्कि आंचलिक सुधार केन्द्र होते हैं, यह उद्गार मुनिश्री अजित सागर महाराज ने बावड़िया कलां निर्माणाधीन जिनालय परिसर में व्यक्त करते हुए कहा कि धर्म प्रकृति का दूसरा नाम है धर्म आत्मा के अनुशासन का नाम है धर्म मात्र दिखावा नहीं और धर्म चर्चा का विषय नहीं धर्म चर्या का विषय है धर्म क्षेत्र में कभी भी अपेक्षा के भाव मत रखो और न किसी की उपेक्षा करो धर्म का क्षेत्र और धार्मिक अनुष्ठान और धार्मिक क्रिया कलाप अपेक्षा और उपेक्षा से दूर होना चाहिये। मुनिश्री ने कहा कि जिनालय और देवालय हमारी संस्कृति और सभ्यता का भान कराते हुए हमें अपने संस्कारों का बोध कराते हैं आचार्यश्री विद्या सागर महाराज के शिष्य मुनिश्री अजित सागर महाराज, एलक श्री दयासागर महाराज, एलक श्री विवेकानंद सागर महाराज के सानिध्य में चार दिवसीय श्री मज्जिनेन्द्र महामण्डल विधान का समापन विश्व शांति महायज्ञ के साथ हुआ इन्द्र-इन्द्राणियों का वेष धारण कर श्रद्धालुओं ने सभी जीवों के कल्याण की भावना को लेकर एवं संसार में विश्व शांति की कामना की प्रार्थना के साथ हवन कुण्ड में आहूतियां दीं। श्री बासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक जैन ने बताया कि मूल नायक भगवान वासु पूज्य का स्वर्ण कलशों से अभिषेक कर पूजा-अर्चना की और माड़ने पर अष्ट द्रव्य समर्पित किये। इस अवसर पर मंदिर समिति अध्यक्ष अशोक जैन, तेजकुमार टोंग्या, राकेश सिंघई, सुधीर जैन, सचिन्द्र जैन, आदित्य, शुभम, राहुल, शशांक जैन सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने मुनिसंघ को श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद लिया इस मौके पर वासुपूज्य जिनालय समिति, विजया महिला मण्डल, मातृत्व वात्सल्य समूह, वासुपूज्य युवा मण्डल के सदस्यों ने सक्रिय योगदान देते हुए नवीन जिनालय के निर्माण हेतु श्रमदान करने के भाव व्यक्त किये ।

नवीन भवन का लोकार्पण प्रभंजना श्रीजी म.सा. के सानिध्य में होगा: श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष राजेश तातेड़ ने बताया कि 31 जनवरी को श्री शांतिनाथ जिन मंदिर एवं जिन कुशल सूरी दादावाड़ी शाहजहांनाबाद में साध्वी प्रभंजना श्रीजी म.सा. , सुव्रताश्री जी और चिदयशा श्रीजी के सानिध्य में प्रातः 7.30 बजे से स्नात्र पूजन दादा गुरुदेव की विशेष अर्चना के साथ दादावाड़ी में नव निर्मित भोजनशाला एवं भवन का उद्घाटन समारोह एवं पुण्यार्थी परिवारों का सम्मान भी होगा ।

अहिंसा विहार जिनालय में मूलनायक संभवनाथ भगवान का होगा महामस्तकाभिषेक: प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि राजधानी के जैन मंदिरों में मुनिसंघ का निरंतर पदविहार मंदिरों की वंदना हेतु चल रहा है मुनिसंघ के सानिध्य में अनेक धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं इसी श्रृंखला में रविवार को अहिंसा विहार जिनालय में मूलनायक भगवान संभवनाथ की विशाल पदमासन प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक एवं नवीन संत भवन का शिलान्यास कार्यक्रम प्रातः 8 बजे से होगा ।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भावभीनी विदाई

भोपाल। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह जनवरी में सेवानिवृत्त एवं स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले 6 कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को भावभीनी विदाई दी। पुलिस महानिदेशक श्री जौहरी ने सभी को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व ;क्लेम भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गये।

पुलिस मुख्यालय के खुला प्रांगण में आयोजित विदाई समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आदर्श कटियार, अन्वेष मंगलम, योगेश चौधरी, पुलिस महानिरीक्षक विवेक शर्मा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे। सेवानिवृत्त निरीक्षक प्रभुदयाल अहिरवार, स्वदेश तिवारी, उप निरीक्षक अनु सचिवीय, रामशरण सिंह, उप निरीक्षक रामायण यादव, प्रधान आरक्षक नाथूराम समुद्रे और प्रधान आरक्षक ;अनु सचिवीय श्रीमती प्रेमकुमारी दुबे को पुलिस मुख्यालय परिवार ने शनिवार को भावभीनी विदाई दी।

संक्षिप्त समाचार

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में शहीद दिवस पर आयोजन

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि शहीद दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आरजी राव, कुल सचिव डॉ एचएस त्रिपाठी सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षण विभागों के शिक्षक विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारीगण तथा कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन सत्य भवन में सर्वप्रथम सभी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया तथा कुलपति द्वारा राष्ट्र की स्वतंत्रता संग्राम तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान एवं भूमिका पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर प्रात: 11 बजे 2 मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पुण्यतिथि पर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में स्थित गांधी स्मृति संग्रहालय में एक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें राष्ट्र निर्माण में गांधीजी की भूमिका एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आरजे राव विषय विशेषज्ञ एवं विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के शिक्षक छात्रों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. विनय श्रीवास्तव, प्रो. के. त्रिपाठी, प्रो. पंडा, प्रो. नीरज गौर, प्रो. केएस कश्यप, प्रो. रागिनी गोथलवाल, डॉ एसएस ठाकुर, डॉ मोना पुरोहित, अनीता धुर्वे समेत समस्त विभागों के शिक्षक छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

स्पेशल हैण्डलूम एक्सपो में बुनकरों का सिल्क पर व्याख्यान

भोपाल। स्पेशल हैण्डलूम एक्सपो गौहर महल में आन्ध्र प्रदेश से आए बुनकर बेनु गोपाल एवं हलदर लिगइया द्वारा सिल्क की बुनाई पर व्याख्यान दिया गया। इस मौके पर कांजीबरम पोथम पल्ली सिल्क तथा काटन की बुनाई की बारीकियां साझा की गई। एक्सपो में 11 राज्यों की भागीदारी के साथ भारत वर्ष से उच्च बुनकर पधारे हैं। जिसमें आन्ध्रप्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, कर्नाटक, पं बंगाल, मध्य प्रदेश, झारखंड, गुजरात, जम्मू कश्मीर, उड़ीसा के बुनकर सहकारी समितियों द्वारा भाग लिया गया है। स्पेशल हैण्डलूम एक्सपो का प्रायोजन, विकास आयुक्त हाथकरघा वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश शासन तथा मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम भोपाल के मृगनयनी एम्पोरियम द्वारा देश-प्रदेश के बुनकरों को विपणन सहायता उपलब्ध कराने हेतु संयुक्त तत्वावधान में भोपाल के गौहर महल 2 फरवरी तक स्पेशल हैण्डलूम एक्सपों का आयोजन किया जा रहा है। एक्सपो में मध्य प्रदेश की चन्देरी, महेश्वरी एवं सौसर की कॉटन साड़ी, वारासिवनी की कोसा साड़ियां, सूटस उपलब्ध हैं।

डॉ. मोहित गंगवार का रूम सेनेटाइजर मशीन आविष्कार

भोपाल। भाभा यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ इंजीनिरिंग के डीन डॉ. मोहित गंगवार और उनकी टीम ने 3डी प्रिंटिंग तकनीकि द्वारा टचलेस सेंसर आधारित हैण्ड एवं रूम सेनेटाइजर मशीन का आविष्कार किया। जिसका प्रकाशन ऑफिसियल जरनल ऑफ द पैटर्न में हुआ। इस आविष्कार द्वारा समाज को कम से कम मूल्य पर रूम सेनेटाइजर मशीन उपलब्ध कराई जा सकती है। अभी इस आविष्कार पर एडवांस्ड स्टेज पर अनुसंधान जारी है। इस आविष्कार के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एमसी किशोरे एवं कुल सचिव डॉ. श्याम पाटकर ने बधाई दी।

एमपी बिरला सीमेंट द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन

भोपाल। एमपी बिरला सीमेंट के तत्वावधान में भोपाल में अरमान निर्माण लायल्टी रिवार्ड प्रोग्राम के अन्तर्गत सफल ठेकेदारों को वृहद कार्यक्रम करके सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भोपाल, सीहोर एवं रायसेन से आये हुए 150 से भी अधिक ठेकेदारों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कायक्रम में विजेता ठेकेदारों को मोटरसाइकिल, फ्रिज, म्यूजिक सिस्टम, कूलर, वाशिंग मशीन, एलईडी टीवी, मोबाइल सहित अनेक उपहारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कम्पनी के क्षेत्रीय सेल्स प्रमुख देवेंद्र चौरसिया, उपभोक्ता सेवा विभाग के प्रदेश प्रमुख मनीष जैन, मार्केटिंग विभाग के प्रदेश प्रमुख मुकुल अग्रवाल, भोपाल ब्रांच टेक्निकल इंचार्ज यशपाल तोमर व ब्रांच प्रमुख योगेंद्र पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में स्थानीय सेल्स प्रमोटर सुरभि ट्रेडर्स के शैलेन्द्र गुप्ता एवं नरेंद्र गुप्ता का सराहनीय योगदान रहा। कम्पनी के वर्तमान में 3 ब्रांड परफेक्ट प्लस, अल्टीमेट अल्ट्रा व चेतक मध्य प्रदेश के सबसे लोकप्रिय ब्रांड में शामिल हैं। कम्पनी की मध्य प्रदेश में 20 प्रतिशत से भी अधिक की हिस्सेदारी है।

मायलस्टोन पर उपलब्ध होगा स्कूलों का पाठ्यक्रम

भोपाल। मायलस्टोन, एस. चंद ग्रुप का एक व्यापक डिलिटली सक्षम पाठ्यक्रम है जिसे स्कूलों के लिए बनाया गया है। अब यह पाठ्यक्रम एक एप के माध्यम से इंट्रैक्टिव होने जा रहा है। मायलस्टोन प्लैटफॉर्म द्वारा स्कूलों को जो पाठ्यक्रम वर्तमान में प्रदान किया जा रहा है वह निर्बाध रूप से इस एप के माध्यम से उपलब्ध रहेगा। कोविड महामारी के चलते बड़े पैमाने पर अभूतपूर्व रुकावटें आई हैं। लॉकडाउन होने के बाद शिक्षा प्रदान करने के तरीके में भी बदलाव आया है। यह नया कदम विद्यार्थियों के प्रदर्शन को बेहतर करेगा और दैनिक शिक्षण में शिक्षकों को सहयोग देगा। मौजूदा डिजिटल वक्त में एक बच्चे की शिक्षा के लिए जिन भी चीजों की जरूरत है, वे सभी चीजें सभी संबंधित पक्षों के लिए इस एप में उपलब्ध हैं। यह ऐप्लीकेशन 15 मार्च 2021 को लांच होगा। एस. चंद ग्रुप के डिजिटल व सर्विस हैड विनय शर्मा ने कहा, इससे यह सुनिश्चित किया गया है कि बच्चों की पढ़ाई में व्यवधान न आए। इसे कोविड पश्चात के परिदृश्य को ध्यान रखकर स्कूलों के लिए तैयार किया गया है।

कोरोना योद्धाओं का सम्मान और म्यूजिकल नाइट का किया आयोजन

भोपाल। राजधानी के प्रिंस यूनिक म्यूजिकल ग्रुप द्वारा शनिवार की शाम कोरोना योद्धाओं के सम्मान में म्यूजिकल नाइट एक शाम कोरोना योद्धाओं के नाम का आयोजन जहांगीराबाद स्थित लाला शादी हॉल में किया गया। इस मौके पर सीएसपी अलीम ख्रान, राजीव गांधी कॉलेज के सैय्यद साजिद अली एवं वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद युसूफ खान समेत अन्य कोरोना योद्धाओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का आयोजन साज़िद शेख, इरफान खान एवं अज़हर सिद्दीकी समेत उनकी टीम ने किया। कोरोना महामारी के कठिन दौर में पूरी हिम्मत और निष्ठा के साथ समाज के लिए काम करने वालों का इस मौके पर सदाबहार गीतों के जरिये सम्मान किया गया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के बरिष्ठ गायक नफीसउद्दीन, विजय, राजेश, असद, प्रवीण, सीमा, वंदना, मिलन, रवि, नाज़िया, सानिया एंव मुज़हिद समेत तमाम कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सदाबहार गीतों की प्रस्तुति दी। आयोजन में जहां सम्मानित अतिथियों ने ग्रुप के इस अनूठे प्रयास की सराहना की, वहीं आयोजकों ने बताया कि, कठिन समय में समाज के लिए अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाने वाले कोरोना योद्धाओं का सम्मान करने के लिए हमने सुरों के जरिये अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। सुरों की यह महफिल देर शाम तक चलती रही। जिसका यहां मौजूद श्रोताओं ने भी खूब लुत्फ उठाया।

आईसेक्ट युवाओं को दे रहा उद्यमिता प्रशिक्षण

भोपाल। यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत आईसेक्ट द्वारा राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के साथ मिलकर छतरपुर के युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण आईसेक्ट के छतरपुर स्थित क्षेत्रिय कार्यालय के माध्यम से दिया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के विषय विशेषज्ञ प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। अब तक करीब 250 प्रतिभागियों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है। इसमें से चयनित 75 प्रतिभागियों को उद्यमिता पर पांच दिवसीय गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा जिसके उपरांत उन्हें सर्टिफिकेट भी प्रदान किए जाएंगे। आईसेक्ट के निदेशक सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने बताया कि आईसेक्ट उद्यमिता और स्वरोजगार के क्षेत्र में लम्बे समय से कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के सहयोग से युवाओं को प्रशिक्षण की एक अभिनव पहल की गई है। यह स्वरोजगार संबंधित प्रशिक्षण जल्द ही प्रदेश के अन्य जिलों में भी प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। अब तक आईसेक्ट द्वारा करीब 15000 से ज्यादा उद्यमी तैयार किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया गया है। स्वरोजगार का यह प्रशिक्षण आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने में मददगार साबित होगा।

कुष्ठ रोग पखवाड़े का शुभारंभ

भोपाल। शनिवार 30 जनवरी 2021 को महात्मा गांधीजी की पुण्य तिथि के अवसर पर 30 जनवरी से 13 फरवरी तक मनाये जाने वाले कुष्ठ पखवाड़े का शुभारंभ पूर्व मंत्री एवं विधायक दक्षिण पश्चिम पीसी शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रभाकर तिवारी, उप संचालक स्वास्थ्य एवं श्रीमती शशि ठाकुर, जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ प्रदीप श्रीवास्तव, मेडिकल ऑफिसर डॉ केसी रायकवार द्वारा शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपाल में किया गया। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ अध्यक्ष प्रमोद तिवारी, सुशील पाराशर सुभाष शर्मा, एसएस वर्मा, शशिकांत गौरशेट्टीवार शुभारंभ अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर कुष्ठ रोगियों को पद रक्षक सामग्री वितरित की गई।

टक्क र में घायल हुए युवक की मौत

भोपाल। ज्योति टाकीज के पास बाइक सवार की टक्कर से घायल हुए सूरज बोयत ;18 पिता संजय की मौत हो गई। भेल क्वार्टर निवासी सूरज निजी काम करता था। बीती 25 जनवरी को दोपहर करीब एक बजे वह मिलन रेस्टोरेंट से फूलों की दुकान की ओर जा रहा था। सड़क पार करते समय उसे एक बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सूरज गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसका एक निजी अस्पताल में इलाज चला। शुक्रवार कोउसे हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान शनिवार को उसने दम तोड़ दिया।

निगम के सात कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

भोपाल। शनिवार को नगर निगम भोपाल के सात कर्मचारी अपनी सेवा अवधि पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए हैं। अपर आयुक्त शाश्वत सिंह मीणा ने माता मंदिर स्थित निगम मुख्यालय में सेवानिवृत्त होने वाले निगम कर्मियों को शाल, श्रीफल भेंट कर ससम्मान बिदाई दी। निगम की सेवा से निवृत्त होने वाले कर्मचारियों में उच्च श्रेणी लिपिक प्रेमदेवी चौधरी, नि.श्रे.लि. सुभाष कुमार श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार सिंह, सहायक केमिस्ट मन्नूलाल चतुर्वेदी, वाल्वमेन रमेश चंद्र, भृत्य कोच युवराज झा, लालाराम वर्मा को निगम मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान निगम के अधिकारी और कर्मचारियों ने पुष्प माला पहनाकर विदाई दी। इस अवसर पर उपायुक्त हर्षित तिवारी, सीबी मिश्रा, नगर निगम सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष नजीर अहमद, आरपी एस. परिहार, प्रेमीलाल नरवारे, शमीम कुरैशी, एमएल रधुवंशी, अशोक सक्सेना, श्री राजेन्द्र कुमार सक्सेना और कर्मचारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल रेल मंडल ने मनाई जयशंकर प्रसाद की जयंती

भोपाल । भोपाल रेल मण्डल द्वारा 30 जनवरी सन 1889 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में जन्में हिंदी के छायावादी युग के चार प्रमुख स्तम्भों में से एक हिंदी कवि, नाटककार, उपन्यासकार एवं निबंधकार जयशंकर प्रसाद की 132वीं जयंती रेल प्रबंधक उदय बोरवणकर के मुख्य आतिथ्य मे शनिवार को मनाई गई। इस मौके पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबंधक नें कहा कि व्यक्तित्व विकास के लिए आप सभी राजभाषा का अध्ययन करने के साथ ही उसका व्यापक प्रचार.प्रसार करें, आपस में चर्चा करें। विद्वानों द्वारा रचित साहित्य को पढ़ें, उसका अध्ययन करें और उसकी प्रेरणा लेते हुए अपनी भाषा का सुधार करें। उन्होंने महान साहित्यकारों की जयंती पर उनकी स्मृति में ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए सभी को संकल्प लेने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा अधिकारी द्वारा किया गया।

मोहनलाल गंगवानी अध्यक्ष बने

भोपाल। सामाजिक संस्था अटल सिंधु कम्युनिटी सेंटर के पदाधिकारियों का निर्वाचन हुआ जिसमें मोहन लाल गंगवानी अध्यक्ष और जगदीश सहिता को महासचिव चुना गया। यह चयन तीन वर्ष के लिए हुआ है। संस्था द्वारा अटल राम धर्मशाला का संचालन, निर्धन परिवारों की सहायता, विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए सहयोग और भोजन वितरण के कार्य किए जाते हैं। अध्यक्ष और महासचिव के अलावा अन्य पदाधिकारी भी चुने गए। धर्मशाला के नव सज्जित कक्षों का शुभारंभ भी किया गया। इस मौके पर महत्वपूर्ण सामाजिक सेवाओं के लिए समाजसेवियों जयपाल मेघानी, गोरलदास राजदेव, रमेश नाथानी को सम्मानित भी किया गया। भगवानदास छाबड़िया और विशंभर लाल राजदेव को संस्था का संरक्षक मनोनीत किया गया।

केनरा बैंक शाखा बंगरसिया में लगा शिविर

भोपाल । केनरा बैंक शाखा बंगरसिया में एनपीए खातों के सरल एक मुश्त निपटान का शिविर आयोजित किया गया । इस शिविर में 50 से अधिक एनपीए खाता धारक मौजूद रहे। बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुख व उप महाप्रबंधक सत्यजीत कुमार और शाखा मुख्य प्रबंधक सचिन गुप्ता की मौजूदगी में 24 लंबित प्रकरणों का मौके पर समझौता कराया गया एवं बाकी एनपीए खाता धारकों को जानकारी दी गई।

पुलिस मुख्यालय में दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित

भोपाल। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर पुलिस मुख्यालय में भी अमर शहीदों को याद किया गया। पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी सहित पुलिस मुख्यालय के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने 30 जनवरी को प्रात 11बजे सामूहिक रूप से दो मिनट का मौन रखकर स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों का पुण्य स्मरण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

रिसाला-ए-इंसानियत का विमोचन आज

भोपाल। शेरी अकादमी भोपाल द्वारा संचालित त्रिमासिक पत्रिका रिसाला-ए- इंसानियत के डॉ अंजुम बाराबॅकवी विशेषांक का विमोचन आज रविवार को सामारोह पूर्वक किया जाएगा। आज शाम 7 बजे संस्था द्वारा आयोजित रस्मे-इजरा की अध्यक्षता समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर करेंगे। जबकि खास मेहमानों के तौर पर छत्तीगढ़ के पूर्व डीजीपी एम डब्ल्यू अंसारी, एडीजीपी मप्र अनुराधा शंकर सिंह तथा बीएचयू उर्दू विभाग के सेवानिवृत्त एचओडी प्रोफेसर याकूब यावर मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इकबाल मसूद, प्रो मो नोमान खान, डॉ महताब आलम और अलीम बज्मी साहब होंगे। जबकि निज़ामत डॉ एहसान आज़मी करेंगे। शेरी अकादमी ने एज़ाज़ सम्मान से नवाजे गए डॉ बाराबॅकवी पर यह विशेषांक निकाला है। आयोजन एम एच के नूर महल, लाल मस्जिद के सामने किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष कमर अली शाह, उपाध्यक्ष सैय्यद मक़बूल हुसैन, एंव सेक्रेट्री मक़बूल बाजिद ने सभी से कार्यक्रम में शामिल होने की गुजारिश की है।

साहू समाज के भवन का भूमिपूजन आज

भोपाल। साहू समाज भेल इकाई के अध्यक्ष सीएम साहू ने बताया कि साहू समाज बी एच ई एल इकाई भोपाल द्वारा रविवार को इकाई के भूखंड का भूमि पूजन मुख्य अतिथि कृष्णा गौर विधायक गोविंदपुरा द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम इकाई के अध्यक्ष चन्द्र मोहन साहू के नेतृत्व में किया जा रहा है। इकाई के 56 दानदाताओं के सहयोग से भूखंड को खरीदकर कर नवबंर 2020 में रजिस्ट्री करवाई गई थी जिसमें 11000 रूपये से 101000 रूपये दान दिये गये थे। अब भूमि पूजन के पश्चात शीघ्र ही भवन निमाणि कार्य प्रारंभ किया जायेगा।

संभागायुक्त कार्यालय में शहीद दिवस पर मौन

भोपाल। स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान करने वाले शहीदों की स्मृति में शनिवार को संभाग आयुक्त सभागार में 2 मिनिट का मौन रखा गया। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त अनिल द्विवेदी, उपायुक्त राजस्व, श्रीमती संजू कुमारी एवं कमिश्नर कार्यालय के परिसर में लगने वाले कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहें।

रेडक्रास ने बांटे कंबल

भोपाल। शनिवार को गांधीजी की पुण्यतिथि के अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी मध्यप्रदेश राज्य शाखा ने कोलार में अपना घर के वृद्धों को कंबल वितरित किए। इस अवसर पर रेडक्रास के चेयरमैन आशुतोष पुरोहित, जनरल सेक्रेटरी डॉ. प्रार्थना जोशी, प्रबंध समिति सदस्य डॉ. एलएन शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी आरके जैन, अपना घर की संचालक माधुरी मौजूद रहीं।

शहीद स्मारक प्रांगण को स्वच्छ कर बापू को किया याद

संत नगर में याद किए गए गांधी

संत हिरदाराम नगर। संत नगर में 30 जनवरी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर गुरु नानक मंडल के तत्वधान में लाल किले की आकृति पर महात्मा गांधी तिरंगे के चित्र के साथ संविधान के लिए संकल्पित आवाहन के साथ ठीक है इस अवसर पर हजारों दीप प्रज्वलित कर श्रद्धा से याद किया। वहीं संत नगर के स्कूलों में भी गांधी पुण्यतिथि पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने वर्तमान परिपेक्ष में संविधान के प्रति हम सबको देश के प्रति जिम्मेदारी के साथ कर्तव्य निर्वहन का संकल्प दिलाया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष भगवानदास ढालिया ने उपस्थित जनों के बीच बापू के प्रिय भजन रघुपति राघव राजाराम सुनाते हुए भाव बताया इस अवसर पर पूर्व पार्षद महेश मकवाना,विष्णु राजपूत, , राजा शर्मा, कैलाश हिरवे, यतेंन मकवाना, आदि मौजूद रहे। वहीं संत नगर भाजपा मंडल द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि मनाई गई। यहां मंडल अध्यक्ष कमल विधानी ने बापू को याद करते हुए कहा के बापू भले आज हमारे बीच नहीं हैं परन्तु उनके विचार आज भी मौजूद हे हमें बापू के जीवन से प्रेरणा लेने को कहा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल ने बापू को यद् करते हुए कहा उनका सादा जीवन और उनके उच्च विचार की जीवन शैली को अपनाना चाहिए। वहीं पूर्व पार्षद अशोक मारन के नेतृत्व में गांधी मूर्ति पर माल्यापर्ण किया गया। यहां पर श्री मारन ने सभी से उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दिलाया और महात्मा गांधी के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। ज्वाला कॉन्वेट स्कूल में गांधीजी को याद किया गया। अहिंसा के पुजारी गरीबों व हरिजनों के मसीहा थे। गांधीसुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में श्रद्धा के साथ महात्मा गांधीजी की पुण्यतिथि एवं शहीदी दिवस मनाया गया। यहां शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी महान व्यक्तित्व ही नहीं बल्कि एक आंदोलन है उन्होंने सभी से शांतिपूर्वक तरीके से जीने का अनुरोध किया वह सत्य व अहिंसा के पुजारी गरीबों व हरिजनों के मसीहा दया व प्रेम की मूरत थे, वे भारत के लोकप्रिय नेता थे महात्मा गांधी ही एकमात्र व्यक्ति थे उन्होंने हमें अहिंसा के बल पर आजादी दिलाई। प्राचार्य आनंद कुमार वर्मा ने कहा कि महात्मा गांधी केवल एक नाम नहीं बल्कि अहिंसा एवं शांति के प्रतीक है । छात्रा कु. राखी नागवानी आदि ने भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम में उप प्राचार्या श्रीमती स्वाति कलवानी श्रीमती दीपा आहूजा, के.एस.मूर्ति भावना कलवानी आदि बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मद्य निषेध का दिलाया संकल्प

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कल्याण विभाग द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आसरा वृद्धजन सेवा आश्रम भोपाल में मद्यनिषेध संकल्प दिवस के साथ.साथ नशा मुक्त भारत अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मद्य निषेध की शपथ उपस्थित सभी अधिकारी, कर्मचारी, वृद्धजनों को दिलाई गई। स्कूल के कलाकारों द्वारा महात्मा गांधी जी के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम का गायन किया जाकर गांधी जी को याद किया गया। साथ ही नशा मुक्त भारत अभियान के प्रचार.प्रसार के लिए वृद्ध आश्रम के प्रांगण में रैली का आयोजन किया गया। स्वेच्छा से मदिरापान त्यागने के लिए संकल्प करवाया गया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय निशक्तजन कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक आरके सिंह, अधीक्षक श्रीमती प्रभा सोमवंशी, सहायक सांख्यिकी अधिकारी दिनेश सिंह सहित विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं कलापथक दल के कलाकार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सागर में राज्य-स्तरीय हितलाभ वितरण कार्यक्रम को किया संबोधित, बोले

कन्यादान विवाह योजना फिर होगी शुरू

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को सागर में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के पात्र किसानों को हितलाभ वितरण के राज्य-स्तरीय कार्यक्रम में स्व-सहायता समूह को रुपए 1.49 करोड़ का स्वीकृति पत्र प्रदान किया।

भोपाल (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह योजना फिर शुरू होगी। बेटियां देवी स्वरूप होती हैं। हम कार्यक्रम की शुरुआत उनके पूजन से ही करते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान सागर के खेल परिसर के समीप मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत प्रदेश के 20 लाख किसानों को सिंगल क्लिक से 400 करोड़ रुपए के हितलाभ अंतरण के राज्य-स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के पात्र हितग्राहियों को 5 लाख रुपए तक का इलाज मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2 करोड़ आयुष्मान कार्ड बने हैं। यदि कोई व्यक्ति छूटा है तो उसके कार्ड भी बनवाएं जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 3 साल के अंदर हर गांव में पाइप लाइन बिछाकर नल से पानी घर-घर पहुंचाया जाएगा। अब हमारी बेटियों को गांव में हैण्डपंप और कुओं से पानी लाने से निजात मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने किसानों के हित में बनाए कानून

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने किसानों के हित में कानून बनाए हैं। उन्होंने कहा कि मंडी बंद नहीं की जा रही हैं वरन मंडी शुल्क घटाया गया है। किसान कॉन्ट्रेक्ट फार्मिंग करता है तो क्या दिक्कत है। हमारे किसानों को भ्रमित करने की कोशिश की गई। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री जी ने गरीबों की जिंदगी बदलने का काम किया है।

एनओसी के लिए बैंकों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन के तहत ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि एनओसी के लिए बैंकों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन आवेदन करो, ऑनलाईन एनओसी मिल जाएगी।

- **सीमांकन होगा मोबाइल डिवाईस से** : मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन के तहत ऐसी व्यवस्था की गई है कि अब किसान को सीमांकन की सुविधा मोबाइल डिवाईस से मिलेगी। राजस्व सिस्टम आधुनिक बनाया गया है, जिसे आरसीएमएस कहा जाता है। अब पेशी की जानकारी एसएमएस से भेजी जाती है। जमीन का नामांतरण, बंटवारा की प्रक्रिया सरल और कंप्यूटरीकृत कर दी गई है।
- **पटवारी दो दिन रहेंगे हल्के में** : मुख्यमंत्री ने कहा कि पटवारी सप्ताह में दो दिन हल्के में रहेंगे, ताकि जनता परेशान न हो। सुशासन देना हमारी जिम्मेदारी है। पटवारी हल्के में नहीं मिलते हैं तो इसकी जिम्मेदारी कलेक्टर की होगी।
- **सिंचाई रकबे में हो रही है वृद्धि**: मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल 41 लाख हेक्टेयर में सिंचाई हो रही है। आने वाले दिनों में 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अकेले बुन्देलखंड में ही 8 हजार 644 करोड़ की सिंचाई परियोजनाएं चल रही हैं। केन-बेतवा नदी जोड़े जाने की भी जानकारी देते हुए कहा कि इससे पूरा बुन्देलखंड सिंचित हो जाएगा।
- **स्व-सहायता समूहों को सशक्त**: मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाया जाएगा। लक्ष्य है बहनों की आमदनी बढ़ाना। उन्होंने कहा कि हर माह डेढ़ सौ करोड़ रुपए समूहों के खाते में डाले जा रहे हैं। बहनें स्कूल की यूनिफार्म बना रही हैं। अब बच्चों का पोषण आहार भी बहनें बनाएंगी।
- **सरकार सज्जनों के लिए फूल और दुर्जनों के लिए वज्र से ज्यादा कठोर**: मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार सज्जनों के लिए फूल और दुर्जनों के लिए वज्र से ज्यादा कठोर है। उन्होंने कहा कि मासूम से दुराचार पर कठोर कानून बनाए गए हैं। बेटियों को गलत नजर से देखने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। धर्मांतरण पर जेल की सजा का प्रावधान किया गया है।
- **15 मार्च से समर्थन मूल्य पर खरीदी प्रारंभ होगी**: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जबलपुर, गुना सहित अन्य जिलों के किसानों से वर्चुअली संवाद किया। उन्होंने कहा कि 15 मार्च से गेहूं, चना, मसूर की समर्थन मूल्य पर खरीदी प्रारंभ की जाएगी। किसानों से कहा कि वे पंजीयन कराएं और खरीदी का एसएमएस आने पर अपना उत्पाद लाकर बेचें। इसके पूर्व सांसद एवं प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कार्यक्रम को देवास से वर्चुअली संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने सभी को विकास में सहभागी होने का संकल्प दिलाया।
- **अनेक हितग्राही हुए लाभांवित**: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अनेक हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभांवित किया। स्व-सहायता समूह को रुपए 1 करोड़ 49 लाख का स्वीकृति पत्र, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना अंतर्गत किसान अशोक दुबे, हरिनारायण को दो-दो हजार के चेक, हितग्राही पूरनलाल को मकान की चाबी, शफीक को ऑटो की चाबी, किरण सैनी स्व-सहायता समूह को दुकान की चाबी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना तहत गुल्ली-चेतु को 10 हजार का स्वीकृति पत्र सहित अन्य हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए।

पुलिस अधिकारियों के थोकबंद तबादले

भोपाल, (प्रसं)। गृह विभाग ने शनिवार को पुलिस अधिकारियों के व्यापक तबादले किए। इनमें 12 आईपीएस, 20 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और 14 उप पुलिस अधीक्षक शामिल हैं। इनके अलावा 34 उप पुलिस अधीक्षकों/सहायक सेनानियों को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और उप सेनानी के पद पर पदस्थ किया गया है।

नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
समीर सौरभ	अति. पुलिस अधीक्षक, छतरपुर	सेनानी, 10वीं वाहिनी, विसबल, सागर
अगम जैन	अति. पुलिस अधीक्षक, जबलपुर	पुलिस अधीक्षक, पीटीसी इंदौर
रजत सकलेचा	अति. पुलिस अधीक्षक, भोपाल	सेनानी, 26वीं वाहिनी, विसबल, गुना
अमित तोलानी	अति. पुलिस अधीक्षक, इंदौर (महू)	सेनानी, 17वीं वाहिनी, विसबल, भोपाल
निवेदिता नायडू	अति. पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, भोपाल	सेनानी, 25वीं वाहिनी, विसबल भोपाल
अमित कुमार	अति. पुलिस अधीक्षक, जबलपुर	सेनानी, 36वीं वाहिनी, विसबल, बालाघाट
हंसराज सिंह	अति. पुलिस अधीक्षक, मुरैना	पुलिस अधीक्षक, पीटीसी, तिगरा
अंकित जायसवाल	नगर पुलिस अधीक्षक, भोपाल	अति. पुलिस अधीक्षक, भोपाल
रोहित काशवानी	नगर पुलिस अधीक्षक, जबलपुर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जबलपुर
पुनीत गहलोत	नगर पुलिस अधीक्षक, इंदौर	अति. पुलिस अधीक्षक, महू (इंदौर)
डॉ. रवींद्र वर्मा	नगर पुलिस अधीक्षक, उज्जैन	अति. पुलिस अधीक्षक, उज्जैन
हितिका वसल	उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), सतना	अति. पुलिस अधीक्षक, ग्वालियर

14 उप पुलिस अधीक्षक स्थानांतरित

नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
रवि भदौरिया	उप पुलिस अधीक्षक पुमु भोपाल	नगर पुलिस अधीक्षक, महाराजपुरा, ग्वालियर
मुनीष राजौरिया	उप पुलिस अधीक्षक, पुमु	एसडीओपी, चाचौड़ा, गुना
राजेश सिंह बघेल	एसडीओपी, चाचौड़ा, गुना	सहायक सेनानी, प्रथम वाहिनी, इंदौर
रघु प्रसाद	उप पुलिस अधीक्षक, पुमु	उप पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सागर जोन
मानवेंद्र सिंह कुशवाह	उप पुलिस अधीक्षक, पुमु	उप पुलिस अधीक्षक कार्यालय, चंबल जोन, मुरैना
राजेंद्र सिंह रघुवंशी	उप पुलिस अधीक्षक, पुमु भोपाल	एसडीओपी मुरैना
संजय चतुर्वेदी	उप पुलिस अधीक्षक, पुमु	उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय अशोकनगर
दयाराम माल	उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, अशोकनगर	उप पुलिस अधीक्षक कार्यालय, इंदौर जोन
उमेश कुमार द्विवेदी	उप पुलिस अधीक्षक, पुमु	उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, ग्वालियर
शैलेंद्र मार्टिन	उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, ग्वालियर	उप पुलिस अधीक्षक, पीटीएस मकरोनिया, सागर
दिनेश सिंह बैस	उप पुलिस अधीक्षक, पुमु	एसडीओपी, राहतगढ़, सागर
अजय संगर	एसडीओपी, राहतगढ़, सागर	उप पुलिस अधीक्षक, रेल, इटारसी
गुलबाग सिंह	उप पुलिस अधीक्षक, राज्य औद्योगिक सुरक्षा	उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, मुरैना
अनिल ठाकुर	उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय	मुरैना उप पुलिस अधीक्षक, अजाक, पुमु

20 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इधर से उधर

नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
प्रमोद कुमार सिन्हा	पुलिस अधीक्षक, अजाक रेंज, उज्जैन	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुमु, भोपाल
राजेश त्रिपाठी	सहा. पुलिस महानिरीक्षक, पुमु, भोपाल	जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, सागर
राजेश शर्मा	उप सेनानी, 5वीं वाहिनी, विसबल मुरैना	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुमु, भोपाल
मीना चौहान	अति. पुलिस अधीक्षक, नारकोटिक्स, मंदसौर	पुलिस अधीक्षक, अजाक रेंज, उज्जैन
मांगू अजनार	उप सेनानी, 24वीं वाहिनी, विसबल जावरा	अति. पुलिस अधीक्षक, नारकोटिक्स, मंदसौर
राजेश्वरी महोबिया	पुलिस अधीक्षक, रेडियो, मुख्यालय भोपाल	अति. पुलिस अधीक्षक, अअवि, भोपाल
सुरेंद्रपाल सिंह डाबर	अति. पुलिस अधीक्षक, पीटीएस, रीवा	अति. पुलिस अधीक्षक, जिला निवाड़ी
नीतू कुमरे डाबर	पुलिस अधीक्षक, अजाक रेंज, रीवा	अति. पुलिस अधीक्षक, फोटो, पुमु, भोपाल
पर्वतसिंह मसराम	उप सेनानी, 8वीं वाहिनी, विसबल छिंदवाड़ा	उप सेनानी, 6वीं वाहिनी, विसबल, जबलपुर
प्रतिभा त्रिपाठी	अति. पुलिस अधीक्षक, जिला निवाड़ी	पुलिस अधीक्षक, अजाक रेंज, रीवा
नागरिया जामले	पुलिस अधीक्षक, रेडियो डायल-100, भोपाल	सहायक महानिरीक्षक, विसबल, जबलपुर क्षेत्र
अंजना तिवारी	अति. पुलिस अधीक्षक, पीटीएस, उज्जैन	पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, भोपाल
प्राची द्विवेदी	उप सेनानी, प्रथम वाहिनी विसबल, इंदौर	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुमु, भोपाल
जितेंद्र कुमार पटेल	उप सेनानी, 6वीं वाहिनी, विसबल, जबलपुर	पुलिस अधीक्षक, रेडियो, मुख्यालय, भोपाल
प्रांजलि शुक्ला	पुलिस अधीक्षक, रेडियो, जबलपुर	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुमु, भोपाल
नीतू कटारा ठाकुर	पुलिस अधीक्षक, रेडियो, मुख्यालय भोपाल	पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, भोपाल
मनकामना प्रसाद	अति. पुलिस अधीक्षक, जिला बुरहानपुर	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुमु, भोपाल
अभिषेक दीवान	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, चयन, पुमु, भोपाल	अति. पुलिस अधीक्षक, जिला बुरहानपुर
एमके श्रिरी	उप सेनानी, 13वीं वाहिनी, विसबल, ग्वालियर	पुलिस अधीक्षक, एमटी प्रशिक्षण शाखा, रीवा
राजमणि त्रिपाठी	पुलिस अधीक्षक, एमटी प्रशिक्षण शाखा, रीवा	सहा. पुलिस महानिरीक्षक, कार्यालय, रीवा जोन

इनके अलावा 34 उप पुलिस अधीक्षकों/सहायक सेनानियों को बनाया अति. पुलिस अधीक्षक/उप सेनानी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री शिवराज ने पुण्यतिथि पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महात्मा गांधी की 73वीं पुण्यतिथि पर उनका स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि दी। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रूप में याद किया जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अन्य अज्ञात शहीदों को भी नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जन-जातीय कार्य मंत्री मीना सिंह ने बैठक में की समीक्षा

केंद्र सरकार की मदद से चलने वाले विकास कार्य समय पर पूरे हों

भोपाल (एजेंसी)। जन-जातीय कार्य मंत्री मीना सिंह ने कहा है कि जन-जातीय क्षेत्रों में केंद्र सरकार की आर्थिक मदद से चलने वाले विकास कार्यों को समय-सीमा में पूरा करना तय किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन विभागों ने योजनाओं के लिए राशि का अब तक उपयोग नहीं किया है, उन्हें वापस लेकर अन्य योजनाओं पर खर्च किया जाए। वे शनिवार को मंत्रालय में विभागीय अफसरों की बैठक को संबोधित कर रही थीं।

बैठक में विशेष केंद्रीय सहायता के अंतर्गत और संविधान के अनुच्छेद के अंतर्गत केंद्र सरकार से मिलने वाली राशि से किए जाने वाले कार्यों की पिछले 4 वर्षों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि विशेष केंद्रीय सहायता अंतर्गत पिछले 4 वर्षों में केंद्र सरकार से 835 करोड़ प्राप्त हुए थे। इस वर्ष 152 करोड़ की राशि इस मद में प्राप्त हुई है। बैठक में बताया गया कि संविधान के अनुच्छेद-275 (1) के अंतर्गत पिछले 3 वर्ष में जन-जातीय क्षेत्र के 89 ब्लॉक के लिए 952 करोड़ प्राप्त हुए थे। इस वर्ष 184 करोड़ की राशि और प्राप्त हुई है। इससे हितग्राही-मूलक योजना व अधोसंरचना के काम प्राथमिकता से करवाए जा रहे हैं। बैठक में पीएस पल्लवी जैन गोविल, आयुक्त जन-जातीय कार्य संजीव सिंह और संचालक संचालनालय आदिम-जाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं शैलबाला मॉर्टिन उपस्थित थीं।

संकट की घड़ी में प्रदेश सरकार आपके साथ है : भदौरिया

राज्यमंत्री ने 24 मृतकों के परिजनों को सिंधिया द्वारा आर्थिक सहायता के चैक प्रदान किए

मुरैना, (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया ने कहा है कि विगत दिवस छैरा, मानपुर सहित अन्य ग्रामों में जहरीली शराब से 24 लोंगो की मृत्यु हुई थी। ये हम सबके लिए दिल दहलाने वाली मृत्यु थी, प्रदेश सरकार इस घटना से चिंतत है। संकट की घड़ी में हम सबके साथ है। इस घटना को सुनते ही पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया शीघ्र ही आपके बीच उपस्थित हुए थे और आपको ढांढस बंधाया था। उस समय उन्होंने मृतक परिजनों को 50-50 हजार की सहायता प्रदान करने की घोषणा की थी। उस घोषणा के चेक आपके बीच वितरण करने आया हूं। यह बात उन्होंने शनिवार को ग्राम छैरा, मानपुर, पहावली, हड़वांसी आदि ग्रामों में चेक वितरित करते समय मृतक परिजनों से कही।

मंत्री द्वारा ग्राम छैरा में अमर सिंह, विकास, बंटी, जितेन्द्र, रामनिवास, दिलीप, ध्रुव सिंह, केदार, रामकुमार सिंह, सरनाम, जितेन्द्र, ध्रुव सिंह, मुकुट सिंह हदौसी, जितेन्द्र, दीपेश, कमलकिशोर, रामजीलाल, कालीचरण, दीपक, पवन, जीवाराम, रमेश, पंजाब सिंह के परिजनों को 50-50 हजार रुपए के चेक दिए गए। इस अवसर पर पूर्व मंत्री गिर्राज डण्डोतिया, पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंषाना, भाजपा जिलाध्यक्ष योगेशपाल गुप्ता, पूर्व महापौर अशोक अर्गल और रघुवीर सिंह कंषाना सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कोविड वुमन वॉरियर नाजिरा खान को दी बधाई

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्योपुर जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नाजिरा खान को राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा कोविड वुमन वॉरियर पुरस्कार के लिए नामित किए जाने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के सभी लोगों के लिए नाजिरा खान एक मिसाल बनी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोविड काल में सेवा के लिए प्रदेश की 8 करोड़ जनता की तरफ से उन्हें धन्यवाद दिया है।

राष्ट्रीय महिला आयोग आज करेगा पुरस्कृत

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय महिला-बाल विकास मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी 31 जनवरी को दिल्ली में राष्ट्रीय महिला आयोग के 29वें स्थापना दिवस पर नाजिरा खान को कोविड वुमन वॉरियर पुरस्कार से सम्मानित करेंगी। नाजिरा खान श्योपुर जिले के हीरा गांव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। नाजिरा ने कोरोना काल में ड्यूटी करने के लिए परिवार का विरोध झेला। लॉकडाउन की घोषणा के समय नाजिरा खान स्वयं डेंगू का इलाज करा रही थी, लेकिन कोरोना संक्रमण के दौरान उन्होंने कई प्रवासी परिवारों को सरकार की गाईडलाइन के अनुसार क्वारेंटाइन करवाकर उचित इलाज और सहायता पहुंचाई।

पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ने ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह पर ली चुटकी

बेचारा घुटन में है और अपनी सरकार के खिलाफ निकाल रहा है पदयात्रा

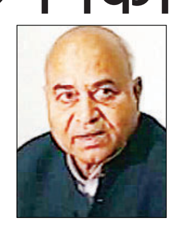

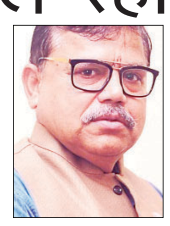

ग्वालियर, एजेंसी। ऊर्जा मंत्री की पदयात्रा पर पूर्व मंत्री और लहार से विधायक डॉ. गोविंद सिंह ने चुटकी लेते हुए कहा कि बेचारा परेशान है, अंदर ही अंदर घुटन में है। पर बधाई देता हूं उन्होंने सच्चाई स्वीकार की है और अपनी ही सरकार के खिलाफ पदयात्रा कर रहे हैं। डॉ. सिंह के इस चुटकी का जवाब देते हुए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह ने तत्काल पलटवार करते हुए कहा कि डॉ. सिंह को कांग्रेस पार्टी में महत्व नहीं मिल रहा, इसलिए इस तरह की बाते कर रहे है।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह ने कहा कि वह जनता के बीच जाने वाले इंसान हैं। कमलनाथ की तरह नहीं कि चंबल में बाढ़ आ गई और वह दफ्तर से ही बाहर नहीं निकले। वर्तमान मंत्री और पूर्व मंत्री के बीच की बयानबाजी से माहौल गर्मा गया है। ग्वालियर में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की दो दिवसीय पदयात्रा पर पूर्व मंत्री एवं लहार विधायक डॉ. गोविंद सिंह की प्रतिक्रिया ने काफी चर्चित कर दिया है। शुक्रवार रात को फूलबाग पर किसान आंदोलन के समर्थन में धरने पर बैठे किसानों और माकपा के सदस्यों से मिलने पहुंचे डॉ. गोविंद सिंह ने पदयात्रा पर प्रद्युम्न सिंह पर चुटकी लेते हुए कहा था कि चलो अच्छा है सच्चाई सामने आ गई। बेचारा परेशान है, घुटन में है, अपनी घुटन को जनता के सामने जाकर पदयात्रा के जरिए निकाल रहा हैं। मैं तो उनको बधाई देता हूं कि वह अपनी सरकार के खिलाफ पदयात्रा पर निकले हैं। इस पर ऊर्जा मंत्री सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि मैं डॉ. प्रद्युम्न सिंह की पीड़ा समझ सकता हूं, चूंकि कांग्रेस में उनको महत्व मिल नहीं रहा, नेता प्रतिपक्ष भी नहीं बनने दिया जा रहा इसलिए वह इस तरह के बयान दे रहे है।

ऊर्जा मंत्री ने किया पलटवार, कहा-कांग्रेस में नहीं मिल रहा महत्व

हेलमेट के उपयोग से दे सकते हैं मृत्यु को मात : एडीजी सागर

नरसिंहपुर में आयोजित वॉकाथन में दी समझाइश

भोपाल (एजेंसी)। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पीटीआरआई डीसी सागर ने आमजन के लिए यातायात को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए यातायात के नियमों का कढ़ाई से पालन करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा है कि दो पहिया वाहन-चालक यदि हेलमेट का प्रयोग शत-प्रतिशत किया जाना सुनिश्चित करते हैं, तो दुर्घटनाओं में मृत्यु को आसानी से मात दी जा सकती है। वे शनिवार को राष्ट्रीय स्तर पर मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत नरसिंहपुर में आयोजित वॉकाथन में दो पहिया वाहन-चालकों को समझाइश दे रहे थे। वॉकाथन में नरसिंहपुर के पुलिस बल और स्कूली बच्चों ने सहभागिता की।

सीहोर जिले के एक लाख 54 हजार 165 कृषकों को प्रदाय की गई 30 करोड़ से अधिक की राशि

प्रदेश सरकार किसानों के विकास के लिए समर्पित है : पटेल

सीहोर, एजेंसी । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा राज्य स्तरीय किसान कल्याण योजना अंतर्गत प्रदेश के 20 लाख किसानों को सिंगल क्लिक से 400 करोड़ रुपए के हितलाभ वितरण किया गया। इसी उपलक्ष्य में जनपद पंचायत प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल शामिल हुए।

श्री पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सीहोर जिला एक कृषि प्रधान जिला है। ग्रामीण विकास के क्षेत्र में पक्के मकान, शौचालय, सड़कें, गैस कनेक्शन तो दिए ही जा रहे थे, अब गांवों में घर-घर नल से पानी भी पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री द्वारा सिंगल क्लिक के जरिए जो राशि कृषकों को वितरित की गई है, उसमें से लगभग 30 करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीहोर जिले के 1 लाख 54 हजार 165 कृषकों के खाते में आज पहुंची है।

खरीफ फसल में हुए नुकसान के लिए मुआवजे की व्यवस्था की

उन्होंने कहा कि खरीफ फसल में हुए नुकसान की भरपाई के लिए कृषकों को फसल बीमा का लाभ तथा मुआवजे की व्यवस्था की गई है। जिले के किसानों को राहत पहुंचाने हर संभव प्रयास किया गया है। खराब हुई फसलों का भी बीमा करवाया गया। इसी प्रकार वन ग्रामों को राजस्व ग्राम से लिंक करके आदिवासी जनसंख्या को भी फसल बीमा के लाभ के लिए पात्र बनाया गया है। मप्र एकमात्र प्रदेश है, जहां कम आबादी वाले ग्रामों को पटवारी हल्का में शामिल होने के कारण किसी भी प्रकार फसल आपदा में बीमे का विशेष लाभ प्राप्त होता है। आने वाले समय में मुख्यमंत्री किसान-सडक योजना प्रारंभ की जाएगी, जिससे किसानों को अपने खेत तक पहुंचने में सुविधा होगी। इस संबंध में उन्होंने कलेक्टर एवं राजस्व अमले को निर्देशित किया कि जिले में रबी फसल कटने के उपरांत सभी कृषकों के खेतों का सीमांकन करवाएं एवं कहीं भी अतिक्रमण पाए जाने पर पूरी सख्ती से उसे हटवाएं।

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना ने खोले ग्रामीण विकास के द्वार

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना ने ग्रामीण विकास के द्वार खोले हैं। अब ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्ति को उसकी संपत्ति का प्रमाण पत्र तथा भूमि स्वामित्व प्राप्त होगा, जिससे वह बैंक से ऋण लेकर अपने लिए रोजगार प्राप्ति के नए मार्ग बना सकता है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण आबादी आत्मनिर्भर बनेगी, जिससे प्रदेश व देश की अर्थव्यवस्था अधिक मजबूत हो सकेगी।

कमल सुविधा केंद्र के जरिए हो रहीं किसानों की समस्याएं हल

मंत्री कमल पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि अप्रैल 2020 में प्रारंभ किए गए कमल सुविधा केंद्र के जरिए अब तक हजारों कृषकों की समस्याएं निराकृत की गई हैं। दूरभाष क्रमांक 0755-2558823 पर कॉल करके कृषक फसल बीमा, आधार कार्ड एवं खाते की जानकारी में सुधार, कृषि संबंधी योजनाओं की जानकारी ले सकते हैं, किसी योजना के लाभ से वंचित कृषक अपनी कठिनाइयां या अन्य कोई भी कृषि संबंधी सुझाव भी दे सकते हैं।

75 हजार कृषकों ने देखा सजीव प्रसारण

इस कार्यक्रम में कुल 74 हजार 795 कृषक सम्मिलित हुए, जिसमें से ग्राम पंचायत स्तर पर 497 स्थानों पर 72 हजार 3 सौ, 4 विकास खंडों पर 1645 एवं जिला स्तर पर 850 कृषकों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम को देखा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में सीताराम यादव, राजकुमार गुप्ता, राजेश राठौर, नरेश मेवाड़ा, मानसिंह पंवार, प्रिंस राठौर, कमलेश कटारे, रामस्वरूप मेवाड़ा, मायाराम गौर, दिनेश मेवाड़ा, गिरीश, आदि जन प्रतिनिधि उपस्थित थे। कलेक्टर अजय गुप्ता, पुलिस अधीक्षक शशींद्र चौहान, सीईओ जिला पंचायत हर्ष सिंह, उपसंचालक कृषि आरएस जाट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सना खान

के पास्ट को लेकर यूजर ने बनाया नेगेटिव Video, एक्ट्रेस ने लगाई फटकार

बगि बॉस (Bigg Boss) में नजर आ चुकीं बॉलीवुड एक्ट्रेस और मॉडल सना खान (Sana Khan) ने जबसे निकाह कयिा है लोग उन्हें ट्रोल करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रहे हैं. शादी के बाद उनके पति का मजाक बनाना तो कभी उनके लुक पर कमेंट करना सोशल मीडिया का नया ट्रेंड बन गया है. अब एक सोशल मीडिया यूजर ने सना के पास्ट को लेकर नेगेटिव वीडियो बनाकर उसे वायरल कर दिया है. इस वीडियो के सामने आने के बाद सना ने ट्रोलर को जमकर फटकार लगाई है.

सना खान ने इंस्टग्राम पर एक पोस्ट में लिखा कि एक यूजर ने उनके पास्ट पर वीडियो बनाया है और उनके बारे में अजीबोगरीब बातें भी की हैं. अपनी पोस्ट को साझा करते हुए उन्होंने लिखा कि किसी को भी डिप्रेशन में मत डालो. सना ने अपनी पोस्ट में बताया कि मैं उस व्यक्ति का नाम नहीं बताना चाहती, क्योंकि मैं वो नहीं करना चाहती, जो उसने मेरे साथ किया गया है.

बता दें कि एक शख्स ने सना खान का एक वीडियो बनाया है, जिसमें उनके इंडस्ट्री के दिनों की यादें और कॉन्ट्रोवर्सियां शामिल हैं. सना खान ने यह वीडियो शेयर नहीं किया है, लेकिन उस व्यक्ति के लिए एक लिए पोस्ट लिखी है. इस पोस्ट में सना ने आगे लिखा कि कुछ लोग मेरे नेगेटिव वीडियोज बना रहे हैं और यह लंबे समय से मैं देख रही हूं, लेकिन मैंने अब तक चुप्प रहना बेहतर समझा था. बस, अब और नहीं. सना खान ने पोस्ट के कैप्शन लिखा कि अगर आप किसी को सपोर्ट नहीं करते हैं तो अच्छा है आप उसके बारे में चुप रहें. किसी को डिप्रेशन में मत दो. ऐसे कॉमेंट्स करके आप किसी इंसान को और कितनी जलील करोगे. कई बार आप इन चीजों को याद करके आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन मेरे जैसे भी कुछ लोग हैं जो यह सोचते हैं कि काश मैं उस समय में वापस जाकर चीजें ठीक कर पाती. कृप्या, अच्छी तरह रहें और लोगों को समय के साथ बदलने दें.सना खान ने बॉलीवुड और फैशन इंडस?ट्री को शादी से पहले अलवदिा कह दयिा है.

सोशल मीडिया यूजर ने बॉलीवुड एक्ट्रेस और मॉडल सना खान (Sana Khan) के पास्ट को लेकर नेगेटिव वीडियो बनाकर उसे वायरल कर दिया है. इस वीडियो के सामने आने के बाद सना ने ट्रोलर को जमकर फटकार लगाई है.

अनुष्का शर्मा ने जब लिप जॉब को लेकर की थी खुलकर बात, बोलीं- मेरे पास कुछ भी छिपाने के लिए नहीं था

सेलिब्रिटीज किरदार में ढलने के लिए कुछ भी करते हैं। डाइट बदल से लेकर वजन बढ़ाने या घटाने, प्रोस्थेटिक का इस्तेमाल, बॉडी बनाना, यह सब सिल्वर स्क्रीन पर अच्छे लगने और फिल्म करने के लिए सेलेब्स करते हैं। साल 2014 में फिल्म 'बॉम्बे वेल्वेट' के लिए कुछ ऐसा ही अनुष्का शर्मा ने किया था। उन्होंने पाउट करने के लिए लिप जॉब कराया था।

करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में अनुष्का शर्मा ने इस बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि अचानक से मैं ट्रोल होने लगी थी। अपने लिप्स के बारे में ट्वीट करते हुए अनुष्का ने कहा था कि यह लिप एनहान्सिंग टूल का कमाल है और मेकअप तकनीक है।

अनुष्का ने कहा था, कुछ समय के लिए मुझे लिप एनहान्सिंग टूल का इस्तेमाल करना था, इसलिए पिछले कुछ टाइम से मेरे लिप्स अलग लग रहे हैं। मैंने कोई प्लास्टिक सर्जरी नहीं कराई है। यह मेरा निर्णय था और यह मैंने एक फिल्म के लुक के लिए किया। 'बॉम्बे वेल्वेट में मैं एक जैज गर्ल का किरदार निभा रही थी, जिसके लिए इसे करने की जरूरत थी।

इसके बाद वॉग मैगजीन संग बातचीत में अनुष्का शर्मा ने कहा था कि मेरे पास कुछ भी ऐसा नहीं, जिसे मैं लोगों से छिपाऊं। तो जब मैंने अपने लिप जॉब के बारे में बात की, कई लोगों ने मुझे बहादुर बताया। मैंने सिर्फ वही किया जो मुझे करना था। मैं एक इंसान हूं और परफेक्ट नहीं हूं।

दीपिका पादुकोण ने फनी वीडियो शेयर कर फैन्स को दिखाया गरबा डांस, कही यह बात

बॉलीवुड में दीपिका पादुकोण सबसे ज्यादा सोशल मीडिया पर फॉलो किए जाने वाली एक्ट्रेस हैं। इनके 52.9 मिलियन (5 करोड़ ल लाख) से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इनका अकाउंट खूबसूरत फोटोज, परिवार और रणवीर सिंह के लिए शानदार पोस्ट से भरा था। हालांकि, नए साल 2021 में दीपिका पादुकोण ने खुद की सा मेमोरीज डिलीट कर क्लीन स्लेट से दोबारा शुरू करने का फैसला लिया। फैन्स को यह देखकर झटका लगा था, क्योंकि किसी को भी दीपिका के ऐसे करने का कारण समझ नहीं आया था।

हाल ही में दीपिका पादुकोण फिर से सोशल मीडिया पर एक्टिव हुई ऑडियो के जरिए लोगों तक अपनी बात पहुंचानी शुरू की। इसके साथ ही उन्होंने अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय बेबाकी से रखी दीपिका, अब ज्यादातर ऑडियो पोस्ट ही शेयर कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी दोस्त संग मजेदार गरबा डांस करते हुए का वीडियो शेयर किया।

पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, कोई एक ऐसा दोस्त ढूंढ़िए जो किसी भी म्यूजिक पर गरबा कर सकता है। वीडियो में दीपिका पादुको आरामदायक स्वेट-शर्ट और स्कर्ट में नजर आ रही हैं। दीपिका पादुकोण के इस वीडियो को अभी तक सात लाख से भी ज्यादा लो देख चुके हैं।

मालूम हो कि दीपिका पादुकोण इस समय शाहरुख खान संग फिल 'पठान' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्देशन सिद्धा आनंद कर रहे हैं। वहीं, हाल ही में दीपिका पादुकोण ने अनन्या पां और सिद्धार्थ चतुर्वेदी संग निर्देशक शकुन बत्रा की फिल्म व शूटिंग खत्म की है। हालांकि, इस फिल्म का अभी तक नाम साम नहीं आया है। इसके अलावा दीपिका पादुकोण ऐन हैथवे व अंग्रेजी फिल्म 'द इंटर्न' के हिंदी रीमेक में भी नजर आने वाली है साथ ही दीपिका टॉलीवुड डेब्यू भी करने जा रही हैं। वह प्रभास सं नाग अश्विन की फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म के नाम का भ खुलासा अभी तक नहीं हुआ है।

अनन्या पांडेय

ने शेयर की सुहाना, नव्या, शनाया के साथ की बचपन की पिक, वायरल हुई इमेज

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडेय (Ananya Panday) का एक सक्रिय सोशल मीडिया यूजर हैं, जो इंटरनेट पर फैंस के लिए अपनी दिलचस्प पोस्ट शेयर करने में कभी पीछे नहीं हटती हैं. इन सबके ग्लैमरस लुक्स हर किसी की नजरों में चढ़ जाते हैं. साथ ही साथ स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 की एक्ट्रेस का उनकी गर्ल गैंग- सुहाना खान (Suhana Khan), शनाया कपूर (Shanaya Kapoor) और नव्या नवेली नंदा के साथ पिक्स को उनके फैंस बहुत पसंद कर रहे हैं. इस गर्लगैंग को एक फ्रेम में देखना हमेशा शानदार रहा है. इस बात को ध्यान में रखते हुए, अनन्या पांडेय ने पास्ट मेमोरी से अपने फैंस के लिए एक मनमोहक थ्रो बैक इमेज शेयर की है.

पति, पत्नी और वो एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक अब एक और इमेज पोस्ट की है और उन्होंने यह बताया है कि उनके बीच क्या बदलाव आया है. पहली तस्वीर में कैमरे के सामने उनके ग्लैमरस अंदाज को दिखाया गया है. अनन्या पांडेय के ग्लैमरस लुक को ब्लैक शोल्डरलेस ड्रेस में देखने को आप मिस नहीं कर सकते हैं.

दूसरी तस्वीर इन लड़कियों के बचपन के दिनों के दौरान ली गई थी क्योंकि वे सभी सुंदर बिकिनी पहनी हुई थीं और बीच के दिन का आनंद ले रही थीं. इन पिक में चारों अनन्या, शनाया, सुहाना और नव्या इतनी आकर्षक लग रही हैं उनकी इमेज से आँखें बंद करना मुश्किल था. अनन्या ने इन दोनों तस्वीरों की तुलना करते हुए लिखा है, 'वास्तव में कुछ भी नहीं बदलता (सिवाय इसके कि मैं सुहाना के सिर को कभी नहीं काटती ... ठीक है शायद मैं कभी-कभी ऐसा करती हूं).इस बीच, वर्क फ्रंट की बात करें तो अनन्या पांडेय वर्तमान में दीपिका पादुकोण और सिद्धान्त चतुर्वेदी के साथ शकुन बत्रा के एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही है. इस प्रोजेक्ट का टाइटल अभी घोषित नहीं किया गया है. इसके अलावा, उन्हें पुरी जग्गनाथ के पैन इंडिया प्रोजेक्ट 'लिगर' के लिए भी चुना गया है जिसमें विजय देवरकोंडा भी दिखाई देंगे.

विजय हजारे ट्रॉफी और सीनियर महिला वनडे स्पर्धा का आयोजन होगा : बीसीसीआई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बड़ा फैसला लेते हुए बताया कि रणजी ट्रॉफी की जगह विजय हजारे ट्रॉफी और सीनियर महिला वनडे टूनामेंट का आयोजन होगा। इस बात की जानकारी बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने राज्य संघों को पत्र लिखकर दी है। इसके अलावा बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी के दौरान मैच फीस के रूप में प्रतिदिन करीब 45000 रुपये की कमाई करने वाले घरेलू खिलाड़ियों को मुआवजा देने का फैसला किया है। रणजी ट्रॉफी में चार दिवसीय क्रिकेट खेली जाती है जबकि विजय हजारे ट्रॉफी में एकदिवसीय मुकाबला होता है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की तर्ज पर ही विजय हजारे ट्रॉफी का आयोजन होगा। छह शहरों में इस टूनामेंट के मैच खेले जाएंगे। अगले सप्ताह स्थानों को अंतिम रूप दिया जाएगा और फरवरी के पहले सप्ताह में टीमें बायो-बबल में प्रवेश करेंगी। यह टूनामेंट करीब एक महीने तक चलेगा। बीसीसीआई के पास ज्यादा समय नहीं है क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मार्च के अंत तक शुरू हो सकता है। इस वजह से खिलाड़ियों को अपनी आईपीएल टीमों के लिए उपलब्ध होना पड़ेगा। इससे पहले बीसीसीआई इस बात को लेकर दुविधा में थी कि विजय हजारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी में किसका आयोजन किया जाए। इस बाबत उसने राज्य संघों से सुझाव मांगा था। अधिकतर राज्य संघों ने रणजी ट्रॉफी की जगह विजय हजारे ट्रॉफी को प्राथमिकता दी। हालांकि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली रणजी ट्रॉफी के पक्ष में थे।

कोरोना संकट के बीच इस साल भारत के पहले घरेलू टूनामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की शुरूआत 10 जनवरी से हुई थी और इसका फाइनल 31 जनवरी को खेला जाएगा। दूसरी ओर इंग्लैंड दौरे के साथ ही करीब एक साल बाद भारत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी हो रही है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच 5 फरवरी से चेन्नई में खेला जाएगा। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट मैचों में मैदान पर दर्शकों की वापसी हो सकती है। इसके लिए बीसीसीआई ने कोशिशें शुरू कर दी है।

बॉक्सर अमित पंघाल ने कोच की सेलरी देने के लिए मांगी कॉपोरेंट समूह से मदद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के प्रमुख मुक्केबाज अमित पंघाल ने अपने निजी कोच अनिल धनकड़ को सेलरी देने के लिए एक बहुराष्ट्रीय कंपनी से मदद मांगी है। अनिल पंघाल को इस बॉक्सर के साथ टोक्यो ओलिंपिक के लिए तैयारियों में शामिल होने की अनुमति दी गई थी। ओलिंपिक गेम्स में मुक्केबाजी में देश की पदक उम्मीद पंघाल ने कॉपोरेंट समूह से औपचारिक अनुरोध किया है कि वह अनिल को लगभग पांच लाख रुपए का कोचिंग शुल्क दे, जो जनवरी 2021 से टोक्यो ओलिंपिक तक की फीस है। टोक्यो ओलिंपिक इस साल जुलाई-अगस्त में आयोजित हो सकते हैं। धनकड़ आईआईएस, बेल्लारी में चल रहे नेशनल बॉक्सिंग कैंप में बिना किसी फीस के अमित पंघाल के साथ कोच के रूप में शामिल हुए थे। अमित पंघाल ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) से अनुरोध किया था कि ओलिंपिक खेलों तक धनकड़ को निजी प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त किया जाए, जिसके बाद बीएफआई ने इस बात को स्वीकार कर लिया।

धनकड़ के आवेदन को जब महासंघ की ओर से साई को भेजा गया, तो उन्हें पंघाल के मोटिवेटर के रूप में पेश किया गया। बाद में बॉक्सर के हस्तक्षेप और नियुक्ति में गड़बड़ी को दूर करते हुए धनकड़ को आखिर पंघाल के निजी कोच के रूप में सेवा की पेशकश की गई।

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड वेटमेट हार्बर में अमेरिकन मैजिक और इटली की लूनारुसा के बीच आगे निकलने की होड़।

सेंनडियागो में ओपन गोल्फ टूनार्मेंट के दौरान नार्वे के विक्टर हिट करने के पहले मैदान को मुआयना करते हुए।

पत्नी और बेटी के साथ क्वारंटीन पीरियड का लुत्फ ले रहे रोहित शर्मा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। किसी भी खिलाड़ी के लिए क्वारंटीन में रहना बेहद उबाऊ काम होता है। खिलाड़ी अपने कमरे में बंद रहते हैं और उन्हें टीवी-वीडियो गेम्स खेलकर ही समय बिताना पड़ता है। हालांकि टीम इंडिया के ओपनर रोहित शर्मा इस समय क्वारंटीन पीरियड को इंजॉय कर रहे हैं। रोहित इस वक्त चेन्नई के लीला पैलेस होटल में क्वारंटीन हैं और अच्छी बात यह है कि उनके साथ पत्नी रितिका और बेटी समायरा भी हैं। रोहित ने शुक्रवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में पत्नी रितिका के साथ एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह होटल की बालकनी में बैठकर समंदर को निहारते दिख रहे हैं। रोहित शर्मा ने फोटो पर दिलचस्प कैप्शन भी लिखा। रोहित शर्मा ने लिखा- क्वारंटीम।

उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड सीरीज के लिए बीसीसीआई ने खिलाड़ियों को परिवार को साथ रखने की इजाजत दी है। क्वारंटीन पीरियड के दौरान खिलाड़ी अकेलापन महसूस करते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी काफी विवाद के बाद खिलाड़ियों को अपना परिवार ले जाने की इजाजत मिली थी। इंग्लैंड सीरीज के लिए उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे, सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा, विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अपने परिवारों के साथ चेन्नई पहुंचे हैं।

खिलाड़ियों के परिवार भी मानक संचालन प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं, जो कि बायो बबल की तरह ही है। गुरुवार को भारतीय खिलाड़ियों का कोरोना टेस्ट किया गया और सभी खिलाड़ी नेगेटिव पाए गए। टीम इंडिया के सभी खिलाड़ियों को अभ्यास शुरू करने से पहले दो कोरोना टेस्ट पास करने हैं। फिलहाल सभी खिलाड़ी अपने परिवार के साथ होटल के कमरों में हैं। खिलाड़ियों को फिटनेस कोच निक वेब और सोनम देसाई ने होटल के कमरों में खुद को फिट रखने के लिए स्पेशल वर्कआउट प्लान दिया है।

भारत और इंग्लैंड के बीच 4 टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज 5 फरवरी से होगा। चेन्नई में ही दूसरा टेस्ट 13 फरवरी से खेला जाएगा। इसके बाद अंतिम दो टेस्ट मैच अहमदाबाद में खेले जाएंगे। तीसरा टेस्ट मैच 24 फरवरी को होगा जो कि डे-नाइट टेस्ट मैच है। चौथा टेस्ट मैच 4 मार्च से शुरू होगा। टेस्ट सीरीज के बाद पांच टी20 मैचों की सीरीज होगी, जिसके सभी मैच अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में होंगे। टी20 सीरीज का आगाज 12 मार्च से होगा। दूसरा मैच 14, तीसरा मैच 16, चौथा मैच 18 और आखिरी टी20 मैच 20 मार्च को खेला जाएगा। इसके बाद अंत में 23 मार्च से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी।

जॉनी बेयरस्टो भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के बाद इंग्लैंड टीम से जुड़ेंगे : ग्राहम थोर्प

चेन्नई, (एजेंसी)। इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के बाद टीम से जुड़ेंगे। यह बात बेयरस्टो पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही।उन्होंने बताया की शुरू में चार टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले उन्हें दो मैचों के लिए आराम दिया गया था, लेकिन वह चेन्नई में 13 फरवरी से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे।

थोर्प ने मीडिया से बातचीत में कहा, वह पहले टेस्ट के बाद टीम शामिल होंगें। बेयरस्टो को वैसे तो दूसरे टेस्ट के बाद टीम में शामिल होना था लेकिन अब उनके कार्यक्रम में बदलाव हो गया है। पहले दो टेस्ट के लिए बेयरस्टो को आराम देने के इंग्लैंड के फैसले की कई पूर्व खिलाड़ियों ने आलोचना की थी। वह श्रीलंका में अपनी पिछली सीरीज के दौरान कप्तान जो रूट के बाद इंग्लैंड के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। बेयरस्टो ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 46.33 की औसत से चार पारियों में 139 रन बनाए थे। तेज गेंदबाज मार्क वुड और ऑलराउंडर खिलाड़ी सैम करन के साथ बेयरस्टो को इंग्लैंड के रोटेशन सिस्टम के हिस्से के रूप में पहले दो टेस्ट के लिए आराम दिया गया था। इंग्लैंड टीम के हेड कोच क्रिस सिल्वरवुड ने पहले फैसले का बचाव किया था। उन्होंने पत्रकारों से कहा था, मैं इस प्रणाली से पूरी तरह खुश हूं।

इंडियन सुपर लीग में कप्तान फॉक्स ने ईस्ट बंगाल को हार से बचाया, गोवा को ड्रॉ पर रोका

फातोर्दा, (एजेंसी)। कप्तान डैनियल फॉक्स के गोल की मदद से एससी ईस्ट बंगाल ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन के 75वें मैच में एफसी गोवा को 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। गोवा के लिए इगोर एंगुलो ने 39वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। कप्तान डैनियल फॉक्स ने 65वें मिनट में शानदार गोल कर ईस्ट बंगाल को 1-1 कर बराबरी दिला दी। गोवा को 14 मैचों में छठी बार ड्रॉ खेलना पड़ा है।

टीम के अब 21 अंक हो गए हैं और वह तीसरे नंबर पर कायम हैं। गोवा का यह लगातार तीसरा ड्रॉ है। ईस्ट बंगाल को 14 मैचों में सातवीं बार ड्रॉ खेलना पड़ा है। टीम 13 अंक लेकर 10वें नंबर पर है। फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में दोनों टीमें पांच-पांच बदलाव के साथ मैदान पर उतरीं। मुकाबले के पहले मिनट में ही ईस्ट बंगाल को बढ़त लेने का तोहफा मिला। गोवा के मोहम्मद अली ने अपने बॉक्स के अंदर ईस्ट बंगाल के डिफेंडर नारायण दास को गिरा दिया और रेफरी ने रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड को पेनल्टी दी लेकिन स्टार खिलाड़ी एंथोनी पिल्किंगटन इसे गोल में तब्दील नहीं कर पाए।

ईस्ट बंगाल ने 32वें मिनट में पहला बदलाव किया। टीम ने मोहम्मद रफीक को बाहर भेजकर अनिकेत मुखर्जी को मैदान पर बुलाया। 37वें मिनट में देबजीत मजूमदार ने बेहतरीन सेव करके गोवा को बढ़त लेने से रोक दिया। लेकिन इसके दो मिनट बाद ही मजूमदार गोवा के एक और आक्रमण को विफल करने में नाकाम रहे और मेजबान टीम ने हाफ टाइम से पहले ही अपना खाता खोल लिया।

गोवा के लिए यह गोल इस मैच में वापसी कर रहे स्पेनिश फॉरवर्ड इगोर एंगुलो ने 39वें मिनट में अल्टबों नोगुएरा की असिस्ट पर किया। एंगुलो का सीजन का यह 10वां गोल है और वह सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में टॉप पर कायम हैं। इगोर आईएसएल में 10 गोल करने वाले पांचवें स्पेनिश फुटबालर बन गए हैं। एंगुलो के इस गोल की मदद से गोवा ने 1-0 की बढ़त के साथ पहले हाफ की समाप्ति की। ईस्ट बंगाल दूसरे हाफ में राणा की जगह वाहेंगबेम एंगौसना के साथ उतरी। वाहेंगबेम ने 57वें मिनट में ब्राइट के असिस्ट पर एक मूव बनाया, जोकि गोलपोस्ट के उपर से निकल गया। दूसरे हाफ में बेहद अटैकिंग के साथ खेल रही ईस्ट बंगाल ने 65वें मिनट में जाकर 1-1 बराबरी हासिल कर ली।

रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड के कप्तान फॉक्स ने जेजे लालपेखलुआ के असिस्ट पर बॉल को गोवा के बॉक्स में डालकर यह गोल किया। फॉक्स का आईएसएल में यह पहला गोल है। गोल खाने के बाद गोवा की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ गई हैं, क्योंकि अगले ही मिनट में इदु बेदिया को दूसरी बार पीला कार्ड दिखाया गया, जोकि रेड कार्ड में तब्दील हो गया और गोवा को अब अपने 10 खिलाड़ियों के साथ ही मैच आगे जारी रखना पड़ा। गोवा के एक खिलाड़ी कम होने के बाद ईस्ट बंगाल ने अपना आक्रमण और ज्यादा तेज कर दिया। 74वें मिनट उसके खिलाड़ी स्कॉट नेविल को येलो कार्ड दिखाया गया। 80वें मिनट में ब्राइट बंगाल की किस्मत चमकाने से चूक गए। 10 मिनट बाद ही कप्तान और स्कोरर फॉक्स को यलो कार्ड दिखाया गया। इसके बाद मुकाबला इंजरी टाइम में चला गया जहां कोई भी टीम बढ़त नहीं ले पाई।

15 मार्च से शुरू होगा फेडरेशन कप

पटियाला, (एजेंसी)। राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) परिसर में 15 से 19 मार्च के बीच फेडरेशन कप राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता ओलिंपिक क्वॉलिफिकेशन टूनामेंट है। इस चैंपियनशिप का आयोजन कोविड-19 से जुड़े सख्त सुरक्षा नियमों के तहत किया जाएगा। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने यह जानकारी दी। एएफआई ने बताया कि टूनामेंट के सुचारू संचालन के लिए महामारी से जुड़े संबंधित राज्य सरकार के अन्य दिशानिर्देशों का भी कड़ाई से पालन किया जाएगा। एएफआई ने कहा कि कोई भी अधिकारी या खिलाड़ी अगर मानक संचालन प्रक्रिया और दिशानिर्देशों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसे चैंपियनशिप में हिस्सा लेने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

टोक्यो ओलंपिक में सख्त होंगे नियम, खिलाड़ियों को हर चार दिन में कराना होगा कोरोना टेस्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वैश्विक कोरोना महामारी के मद्देनजर टोक्यो ओलिंपिक गेम्स के दौरान इंटरनेशनल ओलिंपिक कमिटी (आईओसी) ने बेहद सख्त नियम बनाए हैं, जिनका अगले हफ्ते खुलासा किया जाएगा। इस दौरान खिलाड़ियों को ओलिंपिक गांव से बाहर जाने की इजाजत नहीं होगी। वे सिर्फ उन्हीं जगहों पर जा सकेंगे, जहां उनके मुकाबले होंगे। इसके अलावा सभी खिलाड़ियों की कोरोना जांच अनिवार्य होगी।

ओलंपिक में भाग लेने वाले एथलीटों का जापान में आने से पहले और आने के बाद कोरोना टेस्ट किया जाएगा। ओलंपिक गेम्स के दौरान हर 4 दिनों पर उनका कोरोना टेस्ट किया जाएगा। हालांकि, खिलाड़ियों को एक राहत जरूर दी गई है। जापान में उतरने के बाद उन्हें क्वारंटीन नहीं होना पड़ेगा। अपने-अपने मुकाबलों से सिर्फ 5 दिन पहले से खिलाड़ी ओलंपिक विलेज में रह सकेंगे। ओलंपिक विलेज से खिलाड़ी सीधे अपने मुकाबलों के लिए जाएंगे।

प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आए खिलाड़ियों को पार्टी करने या दर्शनीय जगहों की यात्रा करने, घूमने-फिरने की इजाजत नहीं होगी। टोक्यो-2020 को-ऑर्डिनेशन कमीशन के प्रमुख और आईओसी के वाइस-प्रेसीडेंट जॉन कोट्स ने बताया कि खिलाड़ी सिर्फ ओलिंपिक विलेज तक सीमित रहेंगे। वहां से वे अपने मुकाबलों और ट्रेनिंग वाली जगहों पर ही जा सकेंगे।

कोरोना महामारी के मद्देनजर बहुत मुमकिन है कि ओलिंपिक खेल से दर्शकों को दूर रखा जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो टिकट के रूप में करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान होगा। टोक्यो ओलिंपिक्स के लिए जापान में पहले ही 44.5 लाख टिकट बेचे जा चुके हैं। अगर क्लोज्ड डोर इवेंट हुए तो इन टिकटों को रिफंड करना पड़ेगा।

दर्शकों के बिना खेल हुए तो एक अनुमान के मुताबिक जापान की अर्थव्यवस्था को करीब 1670 अरब रुपए का तगड़ा झटका लग सकता है। टोक्यो ओलिंपिक गेम्स पिछले साल यानी 2020 में ही होने थे, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टालना पड़ा। अब ये गेम्स इस साल होंगे लेकिन अभी तक इसकी तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। गेम्स का आधिकारिक नाम अभी टोक्यो ओलंपिक 2020 ही है। बीच में ऐसी भी रिपोर्टें आई थीं कि जापान सरकार ने इस बार के ओलिंपिक खेलों को रद्द कर सकती है, बाद में जापान सरकार ने ऐसी खबरों को बेबुनियाद बताया है।

फ्रांस के लियॉन में एक सूकर मैच के दौरान बॉल को लेकर आगे बढ़ते सैम्यूअल और यासीन।

बेयरस्टो को आराम देने का फैसला जरुरी था : सिल्वरवुड

चेन्नई, (एजेंसी)। इंग्लैंड के कोच क्रिस सिल्वरवुड ने भारत के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों के लिए जॉनी बेयरस्टो को आराम देने के अपने फैसले को सही बताया है। वहीं नासिर हुसैन सहित कई पूर्व क्रिकेटरों ने बेयरस्टो को बाहर रखे जाने पर सवाल उठाये थे। नासिर के अलावा पूर्व कप्तान केविन पीटरसन, माइकल वॉन ने भी बेयरस्टो को शामिल नहीं किये जाने की आलोचना की थी।

वहीं कोच ने कहा कि बेयरस्टो को पहले दो टेस्ट मैचों से बाहर रखना इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की खिलाड़ियों को आराम देने की नीति का ही एक हिस्सा है। इंग्लैंड को इस कैलेंडर वर्ष में 17 टेस्ट और आईसीसी टी20 विश्व कप में भाग लेना है। सिल्वरवुड ने बेयरस्टो को बाहर रखने पर उठे विवाद पर कहा, मुझे लगता है कि उसने श्रीलंका में अच्छा प्रदर्शन किया। वह बहुत व्यस्त है और हर फार्मेट में खेलने वाला खिलाड़ी है। हमें उसकी देखभाल करनी है और उसे परिवार के साथ रहने के लिए कुछ समय देना चाहिए।वहीं इससे पहले नासिर ने भी बेयरस्टो को शामिल नहीं करने पर आलोचना करते हुए कहा था कि चयनकताओं ने बेयरस्टो को आराम देने का निर्णय करके गलती की है क्योंकि वह स्पिन का सबसे अच्छा खिलाड़ी है।

शुभमन गिल की बात सुनकर हैरान रह गए थे अश्विन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नवोदित क्रिकेटर शुभमन गिल के खेल के लोग दिवाने हैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की जीत के बाद इस युवा बल्लेबाज के बारे में सबसे ज्यादा बात की जा रही है, वह हैं- शुभमन गिल। शुभमन गिल ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 3 मैचों में 51.80 की औसत से 259 रन बनाए। ब्रिस्बेन के गाबा में खेले गए चौथे और अंतिम टेस्ट मैच में उन्होंने 91 रन की पारी खेली, जिसने भारत को जीत दिलाने का रास्ता खोला। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से मात देकर लगातार दूसरी बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल पर टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर के साथ भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई सीरीज को लेकर काफी बातें शेयर की। इस दौरान अश्विन ने एक वाकये का जिक्र करते हुए बताया कि मेलबर्न में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में शुभमन गिल ने उनसे कुछ ऐसा कहा था, जिसे सुनकर वह काफी प्रभावित हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में शुभमन गिल ने अपना टेस्ट डेब्यू किया था। अपने पहले ही टेस्ट की पहली में 45 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर इस युवा खिलाड़ी ने अपना टैलेंट साबित कर दिया था, जबकि उनके ओपनिंग साझेदार मयंक अग्रवाल पहले ही ओवर में आउट हो गए थे। इस मैच की दूसरी पारी में भारतीय टीम ड्राइविंग सीट पर थी, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने अपने विकेट जल्दी गंवा रही थी।

अश्विन ने बताया कि इस मौके पर कैसे शुभमन गिल उनके पास आए और कहा कि हम ऑस्ट्रेलिया को जल्दी-जल्दी आउट कर दे, ताकि वह जीत के रन सिर्फ 5 ओवर में ही बना सके। अश्विन ने उस वाकये को याद करते हुए कहा, मैं शुभमन गिल की बैटिंग का बहुत बड़ा फैन हूं। मेलबर्न टेस्ट के दौरान एक ऐसा वाकया हुआ, जो मैं शेयर करना चाहूंगा। हम बॉलिंग कर रहे थे और विकेट फ्लैट था। हम पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क को बॉलिंग कर रहे थे और वह दोनों क्रीज पर जमे रहने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, और कैमरन ग्रीन को स्क्वायर लेग ऑफ पर कैच आउट किया गया और शुमभन गिल मेरे पास दौड़ते हुए आए और कहा- ऐश भाई, जल्दी खत्म कर दो यार! 40-50 रन होगा तो मैं पांच ओवर में खत्म करूंगा! अश्विन ने कहा, मैं यह सुनकर हैरान था। मैंने कहा वाऊ...दिस इज अनरियल मैन। हमारे पास एक डेब्यू खिलाड़ी है, जो हमारे पास चल यह कहने आया है कि खत्म करो और मैं पांच ओवर में इस टेस्ट मैच को खत्म कर दूंगा।